



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 15, 1978 (चैत्र 25, 1900)

No. 15]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 15, 1978 (CHAITRA 25, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 मार्च 1978

सं० ए० 32013/2/77-प्रश्ना० I (i)---इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17-1-78 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा श्री बी० एन० वैद्यनाथन को अद्यतन संशोधित संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के प्रावधान के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-3-78 से 15-4-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में कार्य करते रहने की अनुमति सहर्ष प्रदान करते हैं।

सं० ए० 32013/2/77-प्रश्ना०-I (i)---इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17-1-78 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा डा० आर० भास्करन को, अद्यतन संशोधित संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के प्रावधान के अनुसार

1-26 GI/78

1-3-78 से 15-4-1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार में कार्य करते रहने की अनुमति सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्र० ना० मुखर्जी,  
अवर सचिव,  
इसे अध्यक्ष,  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रश्ना० II (2)---संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 2-2-78 से 11-3-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

(1983)

दिनांक, 18 मार्च 1978

सं० ए०-33012/1/76-प्रशा० III—उत्तर प्रदेश सरकार के साथ कार्यकारी प्रशिक्षण समाप्त होने पर श्री एस० के० मिश्रा ने 20 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	अवधि
	सर्वश्री	
1.	आर० आर० अहीर .	1-2-78 से 28-2-78 तक
2.	एल० बी० सिनाटे .	22-1-78 से 28-2-78 तक
3.	प्रीतम लाल .	16-1-78 से 28-2-78 तक

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 मार्च 1978

सं० ए०-11/6/78—श्री एस० एन० चड्ढा, महायुक्त प्रवर्तन अधिकारी, दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय को दिनांक 28-2-78 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है।

जे० एन० अरोड़ा  
उप निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1978

सं० 38 आर० सी० टी० 7—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री आर० एन० मुहुरी, आई० ए० एस०, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 14 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से उप-सचिव (प्रशिक्षण) नियुक्त करते हैं।

श्री निवास  
अवर सचिव  
हुते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च 1978

सं० ए०-2/69-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, तमिलनाडु के सहायक लोक-अभियोजक ग्रेड-1 श्री ए० बी० गोपालाकृष्णन को दिनांक 8-8-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनिधित्व पर वरिष्ठ लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० ओ० दो०-1087/73-स्थापना—श्री बी० जी० भोंसले ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 49 वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 28-2-78 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 17 मार्च 1978

सं० ई०-38013 (3)/10/77-कार्मिक—नांगल से स्थानांतरित होने पर श्री के० डी० नय्यर, भा० पु० से० (संघ शासित क्षेत्र-67) ने 20 फरवरी, 1978 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, एफ० सी० आई० तथा नांगल के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 21 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल प्रशिक्षण रिजर्व नई दिल्ली के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 21 मार्च 1978

सं० ई०-16013 (1)/3/75-कार्मिक—दिल्ली प्रशासन के अन्तर्गत पुलिस उप महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त होने पर, श्री इन्द्र भगत नेगी भारतीय पुलिस सेवा (उ० प्र०-1958) ने 20 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रा० च० गोपाल,  
महानिरीक्षक

## प्रतिभूति कागज कारखाना

होगंगाबाद, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 7(27)/9979—श्री पी० एल० नारायणन, सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी दिनांक 14-12-77 के अपराह्न से स्वेच्छिक निवृत्ति की योजना के अंतर्गत शासकीय सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

रा० विश्वनाथन,  
महाप्रबंधक

## भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 27 मार्च 1978

सं० प्रशा०/33-2ए०/75/7532—श्री बिमलेन्दु घोष, मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेल लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य को अगले आदेश तक 1 फरवरी, 1978 से लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया है।

क० ना० मूर्ति,  
मुख्य लेखा परीक्षक

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 22 मार्च 1978

सं०-18291/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० गणेशन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 30 अप्रैल, 1978 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और वे उसी दिन से विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

(2) श्री गणेशन को सेवानिवृत्ति पूर्व 10 अप्रैल, 1978 से 30 अप्रैल, 1978 तक (रविवार) दोनों दिन सहित, 21 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय की, श्री गणेशन संबन्धी दिनांक 15-12-77 की समसंख्यक अधिसूचना, एतद्वारा रद्द की जाती है।

सं० 3583/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 के एक अधिकारी श्री जे० पी० कक्कड़, जो कि वित्तीय सलाहकार (रक्षा सेवाएं) एवं भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में अपर सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं, रक्षा लेखा महानियंत्रक के ग्रेड में, स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 'अनुक्रम-नियम के अधीन,' आगामी आदेश पर्यन्त नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 मार्च 1978

सं०-18285/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री डी० आर० मल्होत्रा, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 31 जुलाई, 1978 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और वह उसी दिन से विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

(2) श्री मल्होत्रा, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को सेवानिवृत्ति पूर्व 23 मार्च, 1978 से 31 जुलाई, 1978 तक 131 दिन की छुट्टी मंजूर की गई है।

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय की श्री मल्होत्रा, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक संबन्धी दिनांक 28 जनवरी, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना, एतद्वारा रद्द की जाती है।

वी० एस० भीर,

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

## रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स एवं आर्डनेन्स उपस्कर फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 2/78/ए०/एम०—इस मुख्यालय के दिनांक 29-12-77 के 375/ए०/एम० संख्यक पत्र के अन्तर्गत प्रेषित ड्राफ्ट गजट अधिसूचना संख्या 2/77/ए०/एम० में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :—

क्रम संख्या 2 दिनांक के सामने

वास्ते : 10-10-77

पढ़ा जाए : 7-10-77

दिनांक 23 मार्च 1978

सं० 1/78/ए०/एम०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1.	डा० कमल कुमार जैन, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी, कटनी।	23-12-77
2.	डा० सन्यासी चरण नस्कर, सहायक चिकित्सा अधिकारी	राइफल फैक्टरी, ईशापुर।	16-1-78
3.	डा० अनिल कुमार भाटिया, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी, कानपुर।	6-2-78
4.	डा० एल० रामचन्द्र मूर्ति, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी, अम्बरनाथ।	27-2-78

ब्रिगेडियर पी० एन० त्रिखा,  
निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं,  
कृते महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

महानिदेशालय, आर्डेनैन्स फैंक्टरियां

भारतीय आर्डेनैन्स फैंक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 11/78/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न डी० डी० जी० ओ० एफ० (स्तर-I)/महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड)—स्तर-I के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री एम० एस० बासु, स्थानापन्न, 3 जनवरी, 1978  
डी० डी० जी० ओ० एफ० (स्तर-I)
- (2) श्री शिव प्रसाद, स्थानापन्न, 3 जनवरी, 1978  
महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-I

सं० 12/78/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न प्रबन्धक/सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री डी० पी० गोयल, 25 नवम्बर, 1977  
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक
- (2) श्री डी० आई० श्रीवास्तवा, 3 नवम्बर, 1977  
स्थायी उप-प्रबन्धक
- (3) श्री पी० सत्यनारायण, 3 नवम्बर, 1977  
स्थायी उप-प्रबन्धक
- (4) श्री बलदेव राम, 3 नवम्बर, 1977  
स्थायी डी० ए० डी० जी०
- (5) श्री एन० एस० धींग, 3 नवम्बर, 1977  
स्थायी उप-प्रबन्धक
- (6) श्री रामजी राय, 3 नवम्बर, 1977  
स्थायी उप-प्रबन्धक
- (7) श्री एस० के० सूरि, 3 नवम्बर, 1977  
स्थायी डी० ए० डी० जी०
- (8) श्री जी० सुब्रह्मण्यन्, 3 नवम्बर, 1977  
स्थायी डी० ए० डी० जी०

सं० 13/78/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/टी० एस० ओ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री पी० के० बाश्याम, 3 नवम्बर, 1977  
स्थायी फोरमैन
- (2) श्री एस० सी० गुप्ता, 7 नवम्बर, 1977  
स्थानापन्न स्टोर होल्डर
- (3) श्रीमती तापती घोष, 3 नवम्बर, 1977  
स्थानापन्न एस० ए०

बी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक,  
आर्डेनैन्स फैंक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1978

सं० ए०-19018/330/77-प्रशासन (राजपत्रित):—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी श्री वेनिगला विठ्ठल कोटेश्वर राव को दिनांक पहली मार्च 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (खाद्य) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री वी० बी० कोटेश्वर राव ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में दिनांक पहली मार्च 1978 (पूर्वाह्न) से उप-निदेशक (खाद्य) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 17 मार्च 1978

सं० 12(212)/61-प्रशासन (राजपत्रित) —अंडमान तथा निकोबार प्रशासन में प्रतिनियुक्ति के आधार पर उद्योग निदेशक के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री जे० एन० भक्त ने दिनांक 31 जनवरी 1978 (अपराह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) में उप-निदेशक (धातुकर्म) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० बेंकटरायलु,  
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० प्र०-1/1(832)—निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एस० के० डे सरकार दिनांक 28-2-78 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-1/1(1116)/78—राष्ट्रपति इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1976 के परिणाम के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित निम्नलिखित अश्याथियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (प्रशिक्षण आरक्षी) (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं :—

सर्वश्री

- |                               |         |
|-------------------------------|---------|
| 1. दिनेश चन्द्र . . .         | 1-3-78  |
| 2. अरुण कुमार जैन . . .       | 1-3-78  |
| 3. अरुण गोलास . . .           | 1-3-78  |
| 4. एस० के० खोपड़ा . . .       | 2-3-78  |
| 5. के० एस० पी० एस० तोमर . . . | 3-3-78  |
| 6. के० के० मरवाह . . .        | 6-3-78  |
| 7. एस० डी० नारंग . . .        | 15-3-77 |



(प्रशासन अनुभाग-6)

दिनांक 18 मार्च 1978

सं० प्र०-17011/137/78-प्र०-6.—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने जमशेदपुर निरीक्षणालय में भंडार परीक्षक (धातु) श्री जी० सी० मुखर्जी को दिनांक 10 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सूर्य प्रकाश,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 3/5/63-मिम्बन्दी-I.—सेवा निवृत्ति की आयु होने के कारण श्री एन० भास्करा आयर स्थानापन्न समाचार अधिकारी, फिल्म प्रभाग हैदराबाद, दिनांक 28-2-1978 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

एम० चंद्रन नायर,  
प्रशासकीय अधिकारी,  
कृते प्रमुख निर्माता

इस्पात और खान मन्त्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० ईस्को (मुआवजा/नीति).—दिनांक 21-1-78 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में भारतीय लोहा और इस्पात कम्पनी (शेयर अर्जन) अधिनियम 1976 (1976 के केन्द्रीय अधिनियम 89) की धारा 5(2) के अन्तर्गत भुगतान आयुक्त की हैसियत से मुझे दिये गए अधिकारों का प्रयोग करते श्री एस० आर० ब्रह्मा चौधुरी को जिनकी नियुक्ति केन्द्रीय सरकार के अधिकारी की हैसियत से इस्पात विभाग की अधिसूचना संख्या उद्योग-11-8 (108)/76 दिनांक 21-1-78 के माध्यम से की गई थी और जिसकी सूचना हमें 21-1-78 के मंत्रालय के पत्रांक उद्योग-(11) 8 (108)/76 के अन्तर्गत भेजी गयी थी, मैं एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6(2) में यथा-प्रदत्त अपनी ओर से, ऐसे भुगतान आयुक्त के रूप में, लेखा प्रचालन के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

पी० के० सरकार,  
भुगतान आयुक्त

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1978

सं० 10/123/77-एस०III.—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० वेंकट सुब्रमनियन को आकाशवाणी डिब्रुगढ़ में दिनांक 13-2-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बसु,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1978

सं० ए० 6-4/75-औषध नियंत्रक.—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के एसोशिएट कार्मिकोंनासिस्ट डा० विश्व नाथ मुदगल, का त्याग पत्र 1 मार्च, 1978 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

एस० एस० गोठोस्कर,  
औषध नियंत्रक (भारत),  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 17-29/73-प्रशासन-1.—उप औषधि नियंत्रक (भारत), उत्तरी जोन, गाजियाबाद के पद पर अपनी नियुक्ति के परिणामस्वरूप डा० पी० दास गुप्ता, ने 16 फरवरी, 1978 अपराह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली से फार्माकोलो-जिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-12025/6/76-(एन० एम० ई० पी०)/प्र०-I.—राष्ट्रपति ने डा० एस० जे० रहमान को 10 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में सहायक-निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया।

राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप डा० एस० जे० रहमान ने 10 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में सहायक-निदेशक (कीट विज्ञान), तदर्थ, के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-12025/3/77(एन० आई० सी० डी०)/प्रशासन-I:—राष्ट्रपति ने डा० जियाउद्दीन खां को 25 जनवरी, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में सहायक निदेशक (कवक-विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०/19020/7/78-(आर० एच० टी० सी०)  
प्रशासन-I. क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यालय, कलकत्ता में मूल्यांकन अधिकारी के पद से अपना स्थानान्तरण हो जाने के फल-स्वरूप श्री एस० पी० मिश्र ने 30 जनवरी, 1978 पूर्वाह्न से ग्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़, (दिल्ली) में वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी के पद का कार्यभार तदर्थ आधार पर संभाल लिया है।

शाम लाल कुठियाला,  
उप निदेशक प्रशासन (सं० बप०)

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1978

सं० 2(10)/76-स्था० (I).—सर्वश्री सोहन लाल धीर व गुरु दयाल गुलाटी को अधीक्षक (प्रथम कोटि) के पदों पर तदर्थ नियुक्तियाँ एतद्वारा 28 फरवरी, 1978 व 30 अप्रैल, 1978 से आगे बढ़ाई जा रही हैं।

चंद्र प्रकाश,  
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० ए० 12026/20/77-प्रशा०-I (अस्पताल).—  
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के 20 सितम्बर, 1977 की अधिसूचना संख्या ए० 12026/20/77-प्रशा०-1 के क्रम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में स्टाफ सर्जन (दंत) के पद पर डा० जी० एल० सन्नवाल को 14 फरवरी, 1978 से आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

आर० के० जिंदल,  
अवर सचिव

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 4-6(119)/77-प्र० III.—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 8-11-1977 द्वारा दिनांक 8-3-1978 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री आर० सी० सिंघल की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 8-6-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

बी० पी० चावला,  
निदेशक, प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भारतीय डाक-तार विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा (डाक)

कपूरथला-144601, दिनांक 23 मार्च 1978

सं० प्रशासन/ए०-6/अनुशासनात्मक/सतनाम सिंह/548.—  
श्री सतनाम सिंह, ग्रुप डी० सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह जो इस कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर था 21-9-77 से अनधिकृत गैरहाजिरी पर था तथा इस कार्यालय द्वारा भेजे गए ज्ञापन जो कि उसके दिये हुए पते पर भेजे गए थे, में से किसी की भी प्राप्ति स्वीकृति उसने नहीं दी। विभागीय निशियों के अश्वीन अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के उपरान्त उसे 13-3-78 पूर्वाह्न से नौकरी से निकाल दिये जाने का निर्णय किया गया था और नौकरी से निकाले जाने का आदेश उसके दिये हुए पते पर भेजा गया था। चूंकि वह रजिस्टर्ड लिफाफा जिस में उक्त कर्मचारी के नौकरी से निकाले जाने का आदेश था और जो उसके दिये हुए पते पर भेजा गया था बिना वितरण के वापिस आ गया है इस लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री सतनाम सिंह ग्रुप डी० सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह को 13-3-78 पूर्वाह्न से नौकरी से हटाया गया है।

रमेश चन्द्र भण्डारी,  
निदेशक लेखा (डाक)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

सं० 5/1/77-स्थापना-11/5270.—भारी पानी परि-योजना से तबादला होने पर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थाई सहायक और भारी पानी परियोजना के स्थाना-पन्न सहायक कार्मिक अधिकारी, श्री आर० एन० रामचंदानी 14 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप (ग्रेड रु० 650-960) में एक स्थानापन्न अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं।

बी० एम० खातु,  
उपस्थापना अधिकारी  
कृते नियंत्रक

बम्बई-400085, दिनांक

सं० 5/1/77-स्थापना 11/5269.—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के एक स्थाई प्राशुलिपिक श्री के० के० प्रभाकरन नायर को दिनांक 28 नवंबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (प्रिफरे, तारापुर) में, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (रु० 650-960) में एक स्थानापन्न अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 दिसंबर 1977

संदर्भ 5/1/77 स्थापना/5296—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों

क्र० सं०	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न नियुक्ति
1.	श्री बी० के० स्वामी सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी II
2.	श्री एस० के० कपूर सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी II
3.	श्री ए० के० कावे सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी
4.	श्री पी० बी० करंदीकर सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी

के आगे लिखी अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी II/सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

		अवधि	
		से	तक
1.	श्री बी० के० स्वामी सहायक कार्मिक अधिकारी	31-10-1977 (पूर्वाह्न)	30-11-1977 (अपराह्न)
2.	श्री एस० के० कपूर सहायक कार्मिक अधिकारी	1-11-1977 (पूर्वाह्न)	9-12-1977 (अपराह्न)
3.	श्री ए० के० कावे सहायक	31-10-1977 (पूर्वाह्न)	30-11-1977 (अपराह्न)
4.	श्री पी० बी० करंदीकर सहायक	2-11-1977 (पूर्वाह्न)	9-12-1977 (अपराह्न)

दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० 5/1/77-स्थापना 11/173—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, श्री एन० बालकृष्णन, स्थानापन्न सहायक को इसी अनुसंधान केंद्र में 28 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 31 दिसंबर, 1977 के अपराह्न तक स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर, तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जनवरी 1978

संदर्भ पी०/104/स्थापना II/249—58 वर्ष की सेवा-निवृत्ति आयु के होने पर, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निम्नलिखित अधिकारी दिनांक 30 नवंबर, 1977 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए:

क्र० सं०	नाम और पदनाम	स्थाई पद	संगणक संकेत सं०
1.	श्री एम० आर० प्रधान सहायक कार्मिक अधिकारी	सहायक कार्मिक अधिकारी	जी०/102/26
2.	श्री सी० राजगोपालन सहायक कार्मिक अधिकारी	सहायक कार्मिक अधिकारी	जी०/102/135
3.	श्री ई० पी० पलमकोटे सुरक्षा अधिकारी	सुरक्षा अधिकारी	जी०/102/99

श्री० एम० खानु  
उपस्थापना अधिकारी

बम्बई-400085 दिनांक 3 फरवरी 1978

सं० 5/1/77/स्थापना II/427—अटॉमिक पावर अथॉरिटी बम्बई से तबादला होने पर, श्री वसंत रघुनाथ रेगे (एक स्थाई लेखाकार) ने, 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में एक स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

पी० एस० वैकटसुब्रमण्यम  
उपस्थापना अधिकारी  
कृते नियंत्रक

बम्बई-400085, दिनांक 22 मार्च 1978

संदर्भ 7(42)/77/विज/331—आदेश संख्या 7(42)/77

विज/211 दिनांक 21 फरवरी, 1978 नीचे प्रकाशित किया जाता है। इस आदेश की एक-एक प्रति श्री जे० पी० एन० झा के तीन अंतिम ज्ञात पतों पर रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजी गई थी, जो बिना तामील हुए वापिस आ गई।

संदर्भ: 7(42)/77/विज/211

दिनांक 21 फरवरी 1978

### आवेश

जब कि यह आरोप लगाया गया था कि

अनुच्छेद I: श्री जे० पी० एन० झा ने जब कि वे भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के दृश्यभूमि एवं अंगरंग अनु-रक्षण अनुभाग में वैज्ञानिक सहायक (ए०) का कार्य कर रहे थे, बी० ए० आर० सी० के जापन सं० 3/655/एल० एवं सी० एम०/स्थाप० VII/2358 दिनांक 12 अप्रैल, 1977 के आदेशों का उलंघन किया। भारी पानी परियोजना तलचर से ट्राम्बे बम्बई को अपना मुख्यालय बदलने पर, सामान्य कार्यग्रहण अवधि की समाप्ति पर, वे अध्यक्ष, दृश्यभूमि एवं अंगरंग अनु-रक्षण अनुभाग, ट्राम्बे, बम्बई के समक्ष काम पर उपस्थित नहीं हुए और इस तरह उन्होंने अवज्ञापूर्ण व्यवहार किया। अनुच्छेद II: उक्त श्री झा दिनांक 2 मई, 1977 से काम पर से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं तथा इस तरह और अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहना जारी है, जिससे उनमें कर्तव्यनिष्ठा का अभाव दिखाई देता है।

और जब कि उक्त श्री झा को जापन सं० 7(42)/77/विज/2172 दिनांक 23 मई, 1977 द्वारा उनके अभियोगों तथा केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 14 के अंतर्गत उनके विरुद्ध प्रस्तावित कार्यवाही करने के बारे में सूचित कर दिया गया था।

और जब कि उक्त श्री झा को उक्त जापन 27 मई, को प्राप्त हो गया था, पर उन्होंने बचाव का कोई भी बयान पेश नहीं किया।

और जब कि केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 14 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई जांच के आधार पर, जांच प्राधिकारी ने अभियोगों को सिद्ध पाया है और तदनुसार अपनी रिपोर्ट पेश की है।

और जब कि जांच प्राधिकारी की रिपोर्ट को सावधानी से देखते हुए और उसकी कार्यवाही से, अधोहस्ताक्षरी जांच प्राधिकारी के निष्कर्ष से सहमत हैं और अन्तिम निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि उक्त श्री झा सेवा में रखने योग्य व्यक्ति नहीं हैं और उन्हें सेवा से अलग कर देना चाहिए।

और जब कि ज्ञापन सं० 7(42)/77/विज/110 दिनांक 2 फरवरी, 1978 द्वारा जिसके साथ जांच रिपोर्ट की एक प्रति संलग्न थी, उक्त श्री झा को उपरलिखित अन्तिम निष्कर्ष की सूचना दी गई थी तथा उक्त ज्ञापन की प्राप्ति के 15 दिन के अंदर प्रस्तावित दंड के विरुद्ध लिखित अभिवेदन करने का अवसर दिया गया था।

और जबकि लिफाफे जिनमें उक्त ज्ञापन रजिस्ट्री डाक द्वारा उनके तीन ज्ञात पतों पर भेजे गये थे बिना तामील हुए वापिस आ गए।

और जब कि लिफाफा जिसमें उक्त ज्ञापन तथा उसके अनुलग्नक रखे थे, बी० ए० आर० सी० के सुरक्षा स्टाफ द्वारा दिनांक 9 फरवरी, 1978 को उक्त श्री झा को तीन गवाहों के सामने पेश किया था, पर उक्त श्री झा ने उसे लेने से इंकार कर दिया।

और जब कि मामले की परिस्थितियां और रिकार्डों को ध्यान में रखते हुए, अधोहस्ताक्षरी अन्तिम निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि सेवा से निकालने का प्रस्तावित दंड उक्त श्री झा पर लागू कर दिया जाना चाहिए।

अब, इसलिए, अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) खंड (बी०) के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग आदेश सं० 22/(1)/68 प्रशा० दिनांक 3 दिसंबर, 1970 के अंतर्गत दिए हुए अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री झा को तत्काल सेवा से अलग करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति  
अध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 23 मार्च 1978

सं० पी०/1078/सिविल/स्थापना II/1233—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ने, श्री अंबिका प्रसाद, वैज्ञानिक अधिकारी (एस० बी०) द्वारा दिया गया त्यागपत्र 16 अप्रैल, 1977 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया।

श्री अंबिका प्रसाद ने अपने पद का कार्यभार 16 अप्रैल, 1977 के अपराह्न से छोड़ दिया तथा उन्हें 17-4-1977 से

30-5-1977 तक 44 दिन की सेवान्त छुट्टी (सेवान्त लाभ) प्रदान की गई।

पी० एस० बेंकटसुब्रमण्यम  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/4(710)/77-प्रशास 2782—परमाणु ऊर्जा विभाग के विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के एक अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री बी० के० शर्मा ने, अपना त्यागपत्र विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक द्वारा स्वीकार कर लिए जाने पर, इस प्रभाग में अपने पद का कार्यभार 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न में छोड़ दिया।

बी० बी० थाटे  
प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 24 मार्च 1978

सं० ए० एम० डी०-1/28/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री गिरिधारी मोहनंती को 2 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी०-1/28/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री उमा महेश्वर को 16 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 मार्च 1978

सं० ई(1) 07491—वेधशालाओं के महानिदेशक, श्री बी० आर० लोह को 17 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक भारत मौसम सेवा, ग्रुप बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप बी०) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री लो० को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

गुरुमुख राम गुप्ता

मौसम विज्ञानी

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1978

सं० ए० 35018/2/78/ई० I—इस विभाग की दिनांक 18 फरवरी, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 35018/2/78-ई० I का आंशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति ने श्री टी० बी० राजेश्वर, आई० पी० एस० (ए० पी० 1949) को दिनांक 18 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से प्रारम्भ में एक वर्ष की अवधि के लिए नागर विमानन विभाग में रु० 2500-125/2-2750 के वेतनमान में निदेशक, नागर विमानन सुरक्षा तथा पदेन अतिरिक्त महानिदेशक नागर विमानन के रूप में नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द जैन  
सहायक निदेशक प्रशासन

## केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना

पटना, दिनांक 21 मार्च 1978

मि० सं० 11(7)1-स्था०/77—3302—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 300/77 दिनांक 2-11-1977 (जैसा की स्थापना आदेश संख्या 327/77 दिनांक 8-12-1977 द्वारा संशोधित किया गया) के अनुसरण में निम्नलिखित निरीक्षकों को स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क श्रेणी 'बी०' के रूप में वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर प्रोन्नत किया गया। उपर्युक्त आदेश के अनुसरण में उन्होंने नीचे दर्शाये गये स्थान, तिथि और समयानुसार कार्यभार ग्रहण किया।

क्र० सं०	नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्य ग्रहण तिथि
1	श्री पी० आर० शर्मा	अधीक्षक, मुजफ्फर- पुर-II रेंज	9-11-1977 (अपराह्न)
2	श्री एस० ए० एस० हास्मी	अधीक्षक, सीमा शुल्क, दरभंगा	31-1-1978 (पूर्वाह्न)

ए० एम० सिन्हा

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद, पटना

## पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबंधक का कार्यालय

(कार्मिक शाखा)

पांडू, दिनांक 23 मार्च 1978

सं० ई०/55/III/90(0)—श्री लखी राम, स्थानापन्न प्रवर कार्मिक अधिकारी, उत्तर रेलवे को दिनांक 4-5-1975 से सहायक कार्मिक अधिकारी वर्ग II में स्थायी किया जाता है।

2-26—GI/78

सं० ई०/55/III/91/भाग-III (0)—श्री पी० बी० मूर्ति, जिन्हें उच्च वित्त स्थापना के परिचालन (यातायात) और वाणिज्य विभाग में सहायक अधिकारी परीक्षार्थन नियुक्त किया गया था, को दिनांक 12-12-1977 से अवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

सं० ई०/55/III/94/भाग-III (0)—अवर वेतनमान के श्री आर० सी० भंडारी, सिविल इंजीनियरी विभाग को दिनांक 1-12-1976 से प्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

1. ई०/283/III/143/भाग-II (0)—श्री एन० सी० जर्मा सहायक कमांडेंट (वर्ग-II) को दिनांक 21-7-1977 से प्रवर वेतनमान में पूर्णतया तदर्थ रूप में सुरक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया गया।

2. ई०/283/120/भाग-III (0)—श्री ए० एन० राम चोत्रो डिपो मंडारी (वर्ग-II) को दिनांक 27-7-1977 से सहायक भंडार नियंत्रक वर्ग-II के पद पर पूर्णतया तदर्थ रूप में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया गया है।

3. ई०/283/III/129/भाग-III (0)—श्री एम० सी० भट्टाचार्य सहायक भंडार नियंत्रक (वर्ग-III) को दिनांक 27-7-1977 से प्रवर वेतनमान में प्रवर भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया गया है।

4. ई०/283/129/भाग-III (0)—श्री डी० एन० दत्ता कार्यालय अधीक्षक (वर्ग-III) को दिनांक 27-7-1977 से सहायक भंडार नियंत्रक वर्ग-II के पद पर पूर्णतया तदर्थ रूप में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया गया है।

5. ई०/283/82/भाग- XI (0)—श्री डी० पी० बोस सहायक वाणिज्य अधीक्षक (वर्ग-II) को दिनांक 3-8-1977 से प्रवर वेतनमान में प्रवर वाणिज्य अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया गया है।

6. ई०/283/129/भाग-III (0)—श्री एन० के० कुन्डु सहायक भंडार नियंत्रक (वर्ग-III) को दिनांक 4-8-77 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए प्रवर वेतनमान में जिला भंडार नियंत्रक के पद पर नियुक्त किया गया।

7. ई०/182/82/भाग-XI (0)—श्री ए० टप्पो, यातायात निरीक्षक (वर्ग-III) को दिनांक 11-8-1977 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए वर्ग-II में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया।

8. ई०/283/30/भाग-VI (0)—श्री एस० एम० सुब्रामणियम, मुख्य प्रचार निराक्षण (वर्ग-III) को दिनांक 18-8-1977 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए

पूर्णतया तदर्थ रूप से वर्ग-II में सहायक जनसम्पर्क अधिकारी नियुक्त किया गया है।

9. ई०/283/82/भाग-XI (0)---श्री आर० सी० दास सहायक यातायात अधीक्षक (वर्ग-II) को दिनांक 24-8-77 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए प्रवर वेतनमान में मंडल संरक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

10. पांडू/ए० डी०/65/215/भाग-IV---श्री पी० एन० बैद सहायक लेखा अधिकारी (वर्ग-II) को दिनांक 30-8-77 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए प्रवर वेतनमान में यातायात व्यापक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

11. ई०/283/30/भाग-VI (0)---श्री सी० एस० पी० सिंहा सहायक कार्मिक अधिकारी (वर्ग-II) को दिनांक 30-8-1977 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए प्रवर वेतनमान में मंडल कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

12. ई०/283/82/भाग-XI (0)---श्री एच० के० भट्टाचार्य सहायक वाणिज्य अधीक्षक (वर्ग-II) को दिनांक 31-8-1977 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए प्रवर वेतनमान में क्षेत्रीय अधिकारी नियुक्त किया गया है।

13. ई०/283/82/भाग-XI (0)---श्री सी० पी० शर्मा प्रवर विधि-सहायक (वर्ग-III) को दिनांक 1-9-1977 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए सहायक वाणिज्य अधीक्षक वर्ग-II के पद पर नियुक्त किया गया है।

14. ई०/283/III/54/भाग-VIII (0)---श्री एस० के० वर्धन शाप अधीक्षक (वर्ग-III) को दिनांक 9-9-1977 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए सहायक उत्पादन इंजीनियर वर्ग-II के पद पर नियुक्त किया गया है।

15. ई०/283/30/भाग VI (0)---श्री डी० पी० मुखर्जी मुख्य श्रम कल्याण निरीक्षक (वर्ग-III) को दिनांक 24-9-1977 से पूर्णतया तदर्थ रूप में सहायक कार्मिक अधिकारी स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया गया है।

16. ई०/283/82/भाग XI (0)---श्री एस० सी० सेन गुप्ता दावा निरीक्षण (वर्ग-III) को दिनांक 28-9-1977 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए सहायक वाणिज्य अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

एस० आर० एन० मूर्ति  
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स ओल मिनरलस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 9208/560(3)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स ओल मिनरलस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स युनिवरसल इक्वीप-मेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 12611/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स युनिवरसल इक्वीपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स पेंग्वीन इलेक्ट्रीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 13184/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स पेंग्वीन इलेक्ट्रीकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स सी० ई० आई० इलेक्ट्रीकल्स इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 14325/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स सी० ई० आई० इलेक्ट्रीकल्स इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू हेवन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 15637/560(3)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स न्यू हेवन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स विजय भारती पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 17251/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स विजय भारती पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स पोली प्रोयोलीन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 20 मार्च 1978

सं० 17310/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स पोली प्रोयोलीन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बि० वाय० राणे  
कम्पनीयों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स शाह फाउन्ड्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 560/1884—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है, कि मेसर्स शाह फाउन्ड्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स तुलसा बिल्डर्स इन्टर प्राईसीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 560/1962—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स तुलसा बिल्डर्स इन्टर प्राईसीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स संघवी वायर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 560/1976—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स संघवी वायर इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स स्पेशल बेरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 560/2163—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स स्पेशल बेरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स तुलसी इवेस्टमेन्ट गुजरात प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 560/2215—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स तुलसी इवेस्टमेन्ट गुजरात प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स लूना तथुप्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 560/2486—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है, कि मेसर्स लूना तथुप्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधिन सूचना : मेसर्स स्वास्थ्य बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद-380009, दिनांक 22 मार्च 1978

कम्पनी अरजी न० 33/ 1977 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 13-2-1978 के आदेश द्वारा मेसर्स स्वास्थ्य बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात  
राज, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि फेमिली रिलीफ सोसायटी लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 141-टेक-1786—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि फेमिली रिलीफ सोसायटी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

ज० आर० बौहरा  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज  
म० प्र० ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० इम्पीरियल इंजीनियरिंग एण्ड केमीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० एस० उ० 495/7046(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में

एतद्वारा सूचना दी जाती है की इम्पीरियल इंजीनियरिंग एण्ड केमीकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है। और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

डी० के० पाल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और पी० एन० एम० कंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 27 मार्च 1978

सं० 22022/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर पी० एन० एम० कंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इण्डियन कामरच एण्ड इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 27 मार्च, 1978

सं० 8814/560/37—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर इण्डियन कामरच एण्ड इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एस० सी० नाथ  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और फरोजपुर डिसट्रिक्ट क्लोथ होलसेलरस एसोसिएशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 23 मार्च 1978

सं० जी०/स्टाट/560/(1509/14098—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फरोजपुर डिसट्रिक्ट क्लोथ होलसेलरस एसोसिएशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा। और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ए० एन० इन्वेस्टमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 23 मार्च 1978

सं० जी०/स्टाट/560/3288/14100—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ए० एन० इन्वेस्टमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा। और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और विबगयोर पेन्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 27 मार्च 1978

सं० जी०/स्टाट/560/3367/14152 —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विबगयोर पेन्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

सत्य प्रकाश तायल  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
प० हि० प्र० व चन्डीगढ़

आयकर आयुक्त बम्बई नगर-1, बम्बई द्वारा

आयकर राजपत्रित स्थापना

बम्बई, दिनांक 18 मार्च 1978

सं० 1237—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां अधिनियम) की धारा 117 की उपधारा (2) में प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं श्री एस० टी० तिरुमलाचारी, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई ने निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों को आयकर अधिकारी श्रेणी-2 के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किया है।

सर्वश्री

1. जे० एम० अडेनवाला	निरीक्षक	28-12-77 (एफ० एन०)
2. व्ही० एन० तेंडोलकर	”	29-12-77 (एफ० एन०)
3. व्ही० वेंकटरामन आय्यर	”	28-12-77 (ए० एन०)
4. आर० राधवेन्द्र राव	”	29-12-77 (ए० एन०)
5. पी० एस० रामराजे	”	29-12-77 (एफ० एन०)
6. के० आर० चोईथानी	”	28-12-77 (एफ० एन०)
7. एम० एन० जोशी	”	29-12-77 (एफ० एन०)
8. जी० के० तलेगांवकर	”	28-12-77 (ए० एन०)
9. आर० एस० सवनीस	”	29-12-77 (ए० एन०)
10. व्ही० पी० कुशे	”	29-12-77 (ए० एन०)
11. डी० पी० मालविया	”	29-12-77 (ए० एन०)
12. श्रीमती एन० एल० मंत्री	”	29-12-77 (एफ० एन०)
13. पी० सी० मुलचंदानी	”	28-12-77 (एफ० एन०)
14. एच० एम० वछानी	”	27-12-77 (एफ० एन०)
15. ए० एस० प्रभू	”	28-12-77 (ए० एन०)
16. डी० एन० सजनानी	”	28-12-77 (ए० एन०)
17. श्रीमती एन० एस० चंदोरामानी	”	30-12-77 (ए० एन०)



18. व्ही० व्ही० केनी . निरीक्षक	29-12-77 (एफ० एन०)
19. व्ही० एच० गंगा-रामानी .	28-12-77 (एफ० एन०)
20. के० एच० थडानी .	28-12-77 (एफ० एन०)
21. एन० डी० कदम .	28-12-77 (एफ० एन०)
22. एस० जी० जोशी .	28-12-77 (ए० एन०)
23. एस० के० उचीला .	28-12-77 (एफ० एन०)
24. श्रीमती एस० आर० मखीजा .	28-12-77 (ए० एन०)
25. जे० पी० हरियानी .	28-12-77 (ए० एन०)
26. श्रीमती व्ही० पी० दामले .	28-12-77 (ए० एन०)
27. एल० टो० मखीजानी .	29-12-77 (एफ० एन०)
28. डब्ल्यू० एम० पाथई .	29-12-77 (एफ० एन०)
29. एम० टो० नाथानी .	29-12-77 (एफ० एन०)
30. आर० पी० जोशी .	28-12-77 (एफ० एन०)
31. के० व्ही० गोपी .	30-12-77 (एफ० एन०)
32. बी० एन० पान्डे .	30-12-77 (एफ० एन०)
33. के० ए० साठे .	29-12-77 (एफ० एन०)
34. ए० के० जी० नायर .	29-12-77 (एफ० एन०)
35. जे० ए० पार्शल .	28-12-77 (एफ० एन०)
36. श्रीमती अम्मुकुट्टी राजप्पन .	29-12-77 (ए० एन०)
37. एम० सुब्रमनीयन .	29-12-77 (एफ० एन०)
38. के० एन० चंदी-रामानी .	28-12-77 (एफ० एन०)
39. आर० जी० शर्मा .	29-12-77 (ए० एन०)
40. एम० ए० नारायणकर .	28-12-77 (एफ० एन०)
41. आर० व्ही० शोरसट .	29-12-77 (एफ० एन०)

42. बी० जी० सोमकुवर .	28-12-77 (एफ० एन०)
43. एस० के० कामले .	28-12-77 (एफ० एन०)
44. पी० डी० बोन्ने .	31-1-78 (एफ० एन०)
45. ए० बी० जोशी .	3-1-78 (ए० एन०)

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली, के पत्र एफ० नं० 22/3/64-प्रशा०-5 दिनांक 25-4-75 के अनुसार वे दो वर्षों की अवधि के लिए परिवीक्षा के अधीन रहेंगे। यदि जरूरी हुआ तो यह परिवीक्षा की अवधि ऊपर लिखी अवधि से आगे भी बढ़ाई जा सकती है। इस पद पर उनकी पुष्टि और या उन्हें रखा जाना परिवीक्षा की अवधि के सफल समापन पर निर्भर करेगा।

3. उनकी नियुक्तियां बिलकुल अस्थायी और अन्तिम है और बिना सूचना किसी भी समय समाप्त करनी पड़ सकती है।

एस० टी० तिरुमलाचारी  
आयकर आयुक्त  
बम्बई नगर-1, बम्बई।

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1978

सं० 36/9/78-ए० डी०/डी० ओ० एम० एस०/1922—  
श्री जे० के० मल्होत्रा, सहायक प्रोग्रामर, संभरण तथा निपटान महा निदेशालय, नई दिल्ली, ने प्रतिनियुक्ति के चयन पर संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर), नई दिल्ली, में प्रोग्रामर के पद पर दिनांक 16-2-78 पूर्वार्द्ध से कार्यभार सम्भाल लिया है।

जगदीश चन्द,  
निदेशक

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 8 मार्च, 1976

निर्देश सं० सी० 236/77-78—यतः मुझे के० एस०  
बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-71/एच० है, जो आमीरपेट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 7-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से छिपित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मोस पी० कबीता पिता पी० एम राममोहनराय  
पी० एस० राममोहनराय के द्वारा है घर नं०  
309 रेलवे आपीसर्स कालोनी सौतलालागुडा  
सीतीन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री गोल्ला वासुदेपराय घर नं० 29-25-60  
वेमुरीवारी गती सुयोराउ पेट-विजयाबाड़ा।

(अन्तरितो)

(3) श्री के० आर० के० पुरती 7-1-71/एच० अमीर-  
पेट, हैदराबाद

(वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री भीमावीयाग कारपोरेशन होन्डीयया हैदराबाद  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-71/एच० प्लॉट नं० 1 ए० सर्वे 44/1,  
अमीरपेट-हैदराबाद में है दस्तावेज नं० 1629/77 उप-रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8 मार्च, 1978

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री अहि भुपन सिंहा राय (अन्तरक)

(2) कमल कोल्ड स्टोरेज (प्र०) लिमिटेड (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I—, कलकत्ता

दिनांक 29 मार्च, 1978

निर्देश सं० ए० सी० 40/अर्जन रेंज IV/कल०/77-78—

अतः मुझे, पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

और जिसकी प्लॉट सं० 512, जे० एल० सं० 58 है तथा जो मौजा-आटवड़िया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, कालना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 21) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

98 विघा जमीन, प्लॉट सं० 512, जे० एल० सं० 58, मौजा आटवड़िया, जिला बर्धमान, थाना कालना, वलिल सं० 5679 सन् 1977 के अनुसार।

पी० पी० सिंह  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I —, कलकत्ता

तारीख : 29 मार्च, 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भीटन्डा

दिनांक 31 मार्च, 1978

निर्देश सं० 155/77-78/पी० एच० जी०---यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री दक्खिन् सिंह पुत्र बिशान सिंह, बंगा रोड, फगवाड़ा, जतिन्द्र सिंह अटोरनी के द्वारा। (अन्तरक)

(2) श्री उदम सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह मौहल्ला सुखचैन, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फगवाड़ा में 16 कनाल भूमी जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1043 महीना सितम्बर, 1977 में लिखा है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भीटन्डा

तारीख : 31-3-1978

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा

दिनांक 31 मार्च, 1978

निर्देश सं० 154/77-78/पी० एच० जी०—यतः मुझे,  
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय  
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3-26GI/78

(1) श्री दविन्द्र सिंह पुत्र बिशन सिंह बंगा रोड,  
फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) सर्वश्री दर्शन सिंह, महिन्द्र सिंह, पुत्र उजागर  
सिंह, सुखचैन रोड, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फगवाड़ा में 16 कनाल भूमि जैसा कि रजिस्ट्री नं०  
880 महीना अगस्त, 1977 में लिखा है। रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी फगवाड़ा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा

तारीख : 31-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भीटान्डा

दिनांक 31 मार्च, 1978

निर्देश सं० 153/77-78/पी० एच० जी०--यतः मझे,

पी० एन० मलिक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः--

(1) श्री दविन्द्र सिंह पुत्र विशान सिंह बंगा रोड, फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) श्री हजाराम सिंह पुत्र भुला सिंह सुख चैन नगर, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) जो व्यक्ति संपत्ति में रूची रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16 कनाल भूमी फगवाड़ा में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 909 महीना अगस्त, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भीटान्डा

तारीख : 31-3-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 13 मार्च, 1978

निर्देश सं० 210/77-78/अर्जन—यतः, मुझे, डी० सी०  
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० डी० नं० 243-ए०, 244 और 245 है,  
जो वार्ड नं० 8 मेन रोड, हासपेठ में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत  
अधिकारी के कार्यालय, हासपेठ अंडर डाकुमेंट नं० 396  
दिनांक 13-7-1977 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बी० जी० जोशी, हासपेठ (अन्तरक)

(2) श्री बी० रंगप्पा येकरेप्पा पिता निवासी हासपेठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान इसका खुला मैदान नं० दोर 243-ए०,  
244 और 245 मेन रोड, रेलवे स्टेशन के ओर जाना  
हुआ यहां पर है। स्थल हासपेठ।

डी० सी० राजागोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 13-3-1978  
मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 13 मार्च 1978

निर्देश सं० 211/77-78/अर्जन—यतः, मुझे, डी० सी०  
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० — है, जो सानगोल गांव में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वास्को ग्रंथर डाकु-  
मेंट नं० 138 दिनांक 14-7-1977 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदिस यसवंत राव चौगुले वास्को डीगामा  
के निवासी है। (अन्तरक)

(2) श्री मेसर्स चौगुले रीयल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन  
कं० (प्रा०) लिमिटेड वास्को डी गामा (गोवा)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थानिक आस्ति सानकोला गांव के यहां है। एकड़ जगा  
142, 993-5 स्कवायर मीटर है। बांडांस गोटे गालि का नाम  
से जाना जाता है।

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 13-3-1978

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 13 मार्च 1978

निर्देश सं० 212/77-78/अर्जन—यतः, मुझे, डी० सी०  
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० ल्यांड रजिस्ट्रेशन नं० 4181 और 4182  
मेट्रिक 70 और 2441 है, जो लूस गोमस रोड, मारमु-  
गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मारमुगोवा अंडर डाकुमेंट नं० 183 दिनांक 18-3-1977  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तिओं को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

(1) श्री वसंत अलियास अनंत सुबरे जोशी (2)  
श्रीमती प्रेमा अलियास आनादि वसंत जोशी  
स्वतंत्र पाठ वास्को डी गामा का निवासी है।  
(अन्तरक)

(2) श्री परेस वसंत जोशी (2) प्रशांत वसंत जोशी  
(3) परागा वसंत जोशी (4) पंकज वसंत जोशी  
और (5) पुस्कर वसंत जोशी आनादि स्वतंत्र  
पाठ, वास्को डी गामा (गोवा) के निवासी है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थानिक अस्ति 'दांडो' नाम से जाना जाता है। खुला  
एरिया 410 स्क्वायर मीटर है। मारमुगोवा मुनिसिपल एरिया  
में आता है।

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 13-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० सुब्बुरत्नम्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री चन्द्रसेकर नायडु

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० 3921/जूलै/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० 29/2 ए, अक्कम्मा नायडु स्ट्रीट, तिरुत्तनि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुत्तनि (डाककुमेण्ट 1612/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुत्तनि, अक्कम्मा नायडु स्ट्रीट, एस० एफ० सं० 29/2 ए में भूमि और मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 14-3-1978  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती जेयिन कवार बाटा और श्री दायाचन्द (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री एस एम० एस० मानिकम ; श्री एस० एम० एस० मुत्तप्पन (अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० 3926/जूलै/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० चित्रा टाकिस 'तिदया टाकिस, दाम्बरम' में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दा दावमरम डाकुमेण्ट 587/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, दाम्बरम में चित्रा टाकिस (तिदया टाकिस)।

के० पोन्नन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 15-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० 3942/जुलै/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नया सर्वे सं० 88/3, मुत्तुपेट रोड, नाडियम्माल पुरम गांव, पट्टुकोटै तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II पट्टुकोटै (डाकुमेण्ट 923/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए० लक्ष्मण वानतिरायर (अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० मुत्तुकृष्ण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पट्टुकोटै तालुका, नाडियम्मालपुरम गांव, मुत्तुपेट रोड, नया सर्वे सं० 88/3 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 15-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एन० पेरुमाल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री बी० के० कुमार राजा ; के० तिलकम (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० 3945/जूलै/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी टी० एस० सं० 3876/2, सर्वे सं० 112/2 तिरुत्तान्तोनि गांव में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० III तिरुचि (डाकुमेण्ट 1083/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-7-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—  
4-26GI/78

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

तिरुत्तान्तोनि गांव सर्वे बार्ड सं० 3, सर्वे सं० 112/2, टी० एस० सं० 3876/2 में 15675 स्क्वायर फीट।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 15-3-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती आर० प्रेमलता (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री शिव कुमार (अन्तरिती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1978

निर्देश सं० 4382/जुलै/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 31, रामलिंग नगर ले अउट II, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० II कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1563/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, रामलिंग नगर ले अउट II, प्लॉट सं० 31 में 4437 स्क्वयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 17-3-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती एन० सुन्दाशम्बाल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) टी० पोन्नैया चेदियार एण्ड सन्स

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

निर्देश सं० 4383/जुलै/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 11/102 ईस्ट तिरुवेंकटसामि रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० I, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1573/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-1977

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

कोयम्बतूर ईस्ट तिरुवेंकटसामि रोड, डोर सं० 11/102 में भूमि और मकान।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० पोन्नन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः:--

तारीख: 17-3-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1978

निर्देश सं० 4386/जुलै/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० टी० एस० 2/1708 भाग दुर्गलाला स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 156 77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलै 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हफिज बी० और जोहरा बी० (अन्तरक)

(2) श्री ए० एम० अब्दुल कादर और ए० एम० मोहमद बुर्वैया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर दुर्गलाला स्ट्रीट, टी० एस० सं० 2/1708 भाग 5 सेण्ट और 242 स्क्वियर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 17-3-1978  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) हाफज बि० और जोहरा बि० (अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एस० ऐसा बी० (अन्तरिती)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1978

निर्देश सं० 4386/जूलै/77-यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी टी० एस० सं० 2/1708 भाग, हाजी इस्मयिल राउत्तर स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1570/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उन्नेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोयम्बतूर, हाजी इस्मयिल राउत्तर स्ट्रीट, टी० एस० 2/1708 भाग—5 सेण्ट और 242 स्क्वियर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-3-1978  
मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सबुरा बीवि अम्माल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती पी० एम० जम्मम बीवि (अन्तरिती)

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० 3929/जुलै/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं० 46/1, सं० 206, तिरुविडवासल बट्टम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूतानल्लूर (डोकुमेन्ट 597/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 206 तिरुविडवासल बट्टम, सर्वे सं० 46-1 में 18 सेण्ट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 27-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एस० रामन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री मुरुगैयन चेट्टियार (अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० 3930/जुलै/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० स 2510, वार्ड सं० 1, ब्लॉक 46 मन्नागुडि में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्नागुडि (डाकुउण्ट 1380/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

अनुसूची

मन्नागुडि, ब्लॉक सं० 46, वार्ड सं० 1, टी० एस० सं० 2510 में भूमि और मकान।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पध्यातु:—

तारीख : 27-3-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० 3933/जुलै/77—यतः मुझ, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स. 110 ईस्टरन, दर्मराजा कोविल स्ट्रीट, पान्डिचेरि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पान्डिचेरि (डाकुमेण्ट 860/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री एन दुरैसामि रेड्डियार, एन० रामसामि रेड्डियार; और सुदराय रेड्डियार (अन्तरक)
- (2) मानिसमर टर्गोट आलवर्टे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पान्डिचेरि, ईस्टरन दर्मराजा कोविल स्ट्रीट, डोर सं० 110 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख: 27-3-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) अमिलिय मार्टेन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) तिरुचि होटल प्रोपर्टर्स असोसियेशन (अन्तरिती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० 3938/जुलै/77—यतः मुझ, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 जी०, विलियम्स रोड, तिरुचि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, तिरुचि (डाकुमेण्ट 1416/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलै, 1977 को

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के लिए; और/या

## अनुसूची

(ख) ऐसे किमा आय या किमो घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए;

तिरुचिरापल्लि, विलियम्स रोड, वार्ड सं० 1, टी० एस० सं० 160, डोर सं० 13 जी० में मकान और भूमि।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

प्रनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
5—26GI/78

तारीख : 27-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० 5680/जुलै/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 वेक्टराम अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जउ एस० आर० I, मद्रास (डाकुमेण्ट 1797) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) श्रीमती कन्नियम्माल और कन्नम्माल (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी कउर बाथ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1. मद्रास 17, डोर सं० 1, वेक्टराम अय्यर स्ट्रीट, टी० एस० सं० 4871/1 भाग में 4320 स्क्वियर फीट (मकान के साथ)।

2. ब्लॉक 113 टी० एस० सं० 4871/1 में 2 ग्राउण्ड और 750 पर फीट।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 27-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती कश्मिममाल और कश्मिममाल (अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल कुमार (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० 5680/जुलै/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1, वेंकटराम अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-17, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, मद्रास (डाकुमेण्ट 1798) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलै, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 17 टी० नगर, वेंकटराम अय्यर स्ट्रीट, डोर सं० 1 में 2 आउण्ड और 1740 स्क्वियर फीट भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 27-3-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० 5706/जुलाई/77---यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 बी०, जोसियर स्ट्रीट, मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेण्ट 453/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-7-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बी० के० श्रीनिवास, (2) श्रीमती बिन्दा उदय कुमार, (3) हेमलता के० राव, (4) श्रीमती राना रन्जित नायडु, (5) श्रीमती वसन्ति सितासनन (अन्तरक)

2) श्रीमती चारुलता बी० बाराय और कोकिला के० बाराय (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्न :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-34, जोसियर स्ट्रीट, डोर सं० 9-बी० में भूमि और मकान।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 27-3-1978  
मोहर :



प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० 5719/जुलाई/77—यतः मुझे के० पोन्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 127, रायपेट्टा है रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर डाकुमेन्ट 606/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री टी० जो० राजगोपालन और श्री

श्रीनिवासन (अन्तरक)

(2) श्री के० सचिदानन्द अय्यर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास मैलापूर रायपेट्टा है रोड, डोर सं० 1271

के० पोन्न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास

तारीख : 27-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० मुखर्जी नायकर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री एस० एम० मुशुकीन (अन्तरितो)

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० 5740/जूलै/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० तीसरा फ्लोर में 6850 स्क्वयर फीट सं० 5, ग्रीन्स रोड, मद्रास-6, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 508/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

7 आउण्ड और 1990 स्क्वटर फीट में 1/6 भाग (प्लॉट सं० 11 और 12) एल० ए० सं० 9/1974) और तीसरा प्लॉट में 6850 स्क्वयर फीट।  
सं० 5, ग्रीन्स रोड, मद्रास-6.

के० पोन्नन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 27-3-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 12 जनवरी, 1978

निर्देश सं० पी० आर० 541/ए० सी० क्यू० 23-968/  
19-8/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 329 वार्ड नं० 13 है, तथा  
जो आरोग्यनगर, अठवा लाइन्स, सूरत में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-7-  
1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धीरजलाल खेंतशीभाई शाह महीधरपुरा,  
वानिया घोंरी, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तमभाई तुलसीभाई पटेल आरोग्य  
अमीजाराना अठवालाइन्स, सूरत  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन क  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जिसका नोंध नं० 329 प्लोर नं० ए०  
वार्ड नं० 12 और कुल माप 343 वर्ग गज है तथा जो  
आरोग्यनगर, अठवालाइन्स सूरत में स्थित है जैसा कि  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 1478 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 12-1-78

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 12 मार्च, 1978

निर्देश सं० पी० आर० 556/ए० सी० ब्यू० 23-1035/6-1/77-78—प्रतः मुझे, डी० सी० गोयल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3-बी० अल्कापुरी शापिंग सेन्टर है, तथा जो विश्वास कालोनी, आर० सी० रोड, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) श्री मे० ए० एम० पटेल एन्ड कं०, 205, यश-कमल विल्डिंग, स्टेशन रोड, बड़ोदा-5 (अन्तरक)

(2) डा० रमेश चन्द्र मनुभाई पटेल, कुल मुखतार धीरजबेन मनुभाई पटेल, 22, विश्वाम कालोनी रेसकोर्स रोड, बड़ोदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति जो फ्लैट नं० 3-बी० है जो अल्कापुरी शापिंग सेन्टर, विश्वास कालोनी, रेस कोर्स रोड, बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 1120 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अगस्त 1977 के रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2224 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 12-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च 1978

निर्देश सं० पी० आर० 557/ए० सी० क्यू० 23  
1036/19-7/77-78—अतः, मुझे, डी० सी० गोयल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269B  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 9 नोड नं० 317, 629, 631-  
ए पैकी नोड नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 8 है, तथा जो  
चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-  
6-26GI/78

(1) 1. श्री सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर 2. प्रानगौरी  
सुरेन्द्र ठाकोर, 5. गुजराती सोसायटी, अहमदाबाद-7  
3. सुरेश चन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर, 4. केताकीबेन  
सुरेश चन्द्र ठाकोर, 5. प्रणव सुरेश चन्द्र ठाकोर,  
56, प्रीतम नगर सोसायटी, अहमदाबाद-6, 6  
अरविन्दाबेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री  
कुलमुखतार हरशिदाबेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर  
की पुत्री बडीफालिया, सूरत, 7. हरशिदाबेन  
ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री, वाडीफालिया,  
सूरत, 8. उषाबेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर की  
पुत्री, वाडीफालिया, सूरत (अन्तरक)

(4) श्री इश्वरलाल चन्दुलाल चकावाली शेरी, वाडी  
फालिया, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञातहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 9 नोड नं० 317, 629,  
631-ए पैकी नोड नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 8 चकावाला  
शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप  
74-2 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत  
के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1321 में  
प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1978

निर्देश सं० पी० आर० 558/ए० सी० ब्यू० 23-1036/19-7/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बार्ड नं० 9 नोंध नं० 317, 629, 631-ए० पैकी नोंध नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 6 है तथा जो चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जूलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर, (2) प्रान-गौरी सुरेन्द्र ठाकोर, 5, गुजरात सोसायटी, अहमदाबाद-7, (3) सुरेशचन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर, (4) केतकीबेन सुरेशचन्द्र ठाकोर (5) प्रनव सुरेशचन्द्र ठाकोर, 56, प्रीतमनगर सोसायटी, अहमदाबाद-6. (6) अरविन्दाबेन ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री, कलकता कुल मुखतार: हरशिदाबेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री वाडी फालिया, सूरत, (7) हरशिदाबेन ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री, वाडी फालिया, सूरत, (8) उषाबेन ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री, वाडी फालिया, सूरत (अन्तरक)
- (2) श्री इश्वरलाल चन्दुलाल, चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन व मकान जो बार्ड नं० 9, नोंध नं० 317, 629, 631-ए० पैकी नोंध नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 6 चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 31 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के जूलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1317 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1978

निर्देश सं० पी० आर० 559/ए० सी० ब्यू० 23-1036/19-7/77-78—यतः मुझे डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वाडे नं० 9 नोंध नं० 317, 629, 631-ए० पैकी नोंध नं० 317 ब्लॉक नं० 5 है तथा जो चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तिर्यों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर, (2) प्रान-गौरी सुरेन्द्र ठाकोर, 5 गुजरात सोसायटी, अहमदाबाद-7, (3) सुरेश चन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर (4) केनकीबेन सुरेश चन्द्र ठाकोर (5) प्रनव सुरेशचन्द्र ठाकोर, 56, प्रीतमनगर सोसायटी, अहमदाबाद-6 (6) अरविन्दाबेन ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री कुल मुखतार हशिदोबेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री वाडी फालिया, सूरत, (7) हशिदोबेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री वाडी फालिया, सूरत, (8) उषाबेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर की पुत्री वाडी फालिया, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री इश्वरलाल चन्दुलाल चकावाला शेरी वाडी फालिया, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वाडे नं० 9 नोंध नं० 317, 629, 631-ए० पैकी नोंध नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 5 चकावाला शेरी वाडी फालिया, सूरत म स्थित है जिसका कुल माप 39.06 वर्ग गज है जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1315 म प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 3 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1386(636)/16-6/77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 451, प्लोटस पैकी प्लॉट नं० 38, है, जो कलावाड रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री० रमणभाई सूर्यशंकर वैदिय, तीनमूरती,  
27 मां रोड, खार, बम्बई-52 (अन्तरक)

(2) (i) श्री बाबूलाल जीवराजभाई माड, पुनीत नगर  
सोसायटी, मेन रोड, राजकोट (अन्तरिती)  
(ii) श्री छगनलाल जीवराजभाई माड, 15, भक्ति  
नगर, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 355-1-0 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 451 प्लोट पैकी प्लॉट नं० 38 है तथा जो कलावाड रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पुरण वरणन 4-7-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 1707/77 में दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-1978  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च, 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1385 (637)—यतः  
मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451 प्लॉट्स पैकी प्लॉट नं० 38,  
है, जो कलावाड रोड, राजकोट, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डॉ० रमणभाई सूर्यशंकर वैदिय, तीनमूरती, 27 मां  
रोड, खार, बम्बई-52।

(अन्तरक)

2. श्री मगनलाल प्रेमजीभाई परमार पूजारा प्लाट, शेट  
हाई स्कूल के पीछे भक्ति नगर के पास, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल  
311-6-0 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 451 पैकी प्लॉट  
नं० 38 है तथा जो कलावाड रोड पर राजकोट में स्थित  
है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-7-77 वाले बिक्री दस्तावेज में  
दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-3-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एसजीआर/16/77-78/ —अतः मुझे,  
नत्थू राम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिसका क्षेत्रफल 50 कनाल का  
1/5 भाग कुआं है तथा जो कि गांव बदरूखान तहसील  
संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जुलाई, 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री पूर्ण सिंह पुत्र गज्जन सिंह जाट गांव तथा डाकघर  
बदरूखान तहसील संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश राय पुत्र लाला जेठू राम किलन कन्ट्रक्टर,  
गांव बदरूखान तहसील संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 50 कनाल है जो कि बदरूखान  
गांव तहसील संगरूर में स्थित है साथ में 1/5 भाग कुआं  
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता संगरूर के विलेख नं०  
901 जुलाई 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च 1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना  
लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० केएनएन/11/77-78/—यतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बाईजोग भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 13 मरला है, तथा जो गांव राहौन, तहसील खन्ना में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पाला सिंह पुत्र श्री गुरदित सिंह वासी गांव राहौन, तसील खन्ना।

(अन्तरक)

2. (1) श्री गुरभीत कौर पत्नी श्री बलबीर सिंह

(2) बलवन्त कौर पत्नी श्री अमर सिंह

(3) कुलजीत कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह

(4) इन्द्र कौर विधवा पुरन सिंह वासी गांव राहौन, तहसील खन्ना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाहीजोग भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 13 मरला है जो के गांव राहौन तहसील खन्ना में स्थित है।

जायेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख नं० 704 जुलाई 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख: 15 मार्च, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रेंज, आयकर लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एलडीएच/153/77-78—यतः मुझे नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी०-VI/106 (पुराना) और बी-IX एस-1/3-36 (नया) जिसका क्षेत्रफल 237 वर्ग गज है तथा जो गंजी छपरी, चौड़ी सड़क, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सांगी राम पुत्र नौतन दास निवासी 0/64 चावला निवास लाजपत नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री साधु राम, राम जी दास, पुत्रान श्री हुकम चन्द जगन नाथ पुत्र श्री राम जी दास, निवासी 1351, गंजी छपरी, चौड़ी सड़क, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-VI/106 (पुराना) और बी-IX-एस-1/336 (नया) जिसका क्षेत्रफल 237 वर्ग गज है जो कि गंजी छपरी, चौड़ी सड़क, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 1204/जुलाई 1977 को लुधियाना के कार्यालय में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन् रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मार्च, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एमएनएम/38/77-78 यतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी बाह्ययोग भूमि जिसका क्षेत्रफल 93 कनाल 9 मरला है तथा जो गांव गोविन्द गढ़ जाजैन, तहसील सुनाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुनाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-26GI/78

1. जत्थेदार दियाल सिंह चेला बाना चेत सिंह मखतियारे ग्राम, तलवण्डी साबो।

(अन्तरक)

2. श्री बाज सिंह पुत्र श्री माहला सिंह वासी गांव गोविन्दगढ़, जाजैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बाह्ययोग भूमि जिसका क्षेत्रफल 93 कनाल है तथा जो गांव गोविन्दगढ़ जाजैन तहसील सुनाम में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुनाम में बिलेख नं० 1354, जुलाई 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मार्च 1978

मोहर :

प्राकृत आर्डी० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एलडीएच/15/77-78/ यतः मुझे,  
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 44डी क्षेत्रफल 976 वर्ग गज  
है तथा जो सराबा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री चरनजीत सिंह संधू एडवोकेट पुत्र श्री इकबाल सिंह  
वासी 608 आर, माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री ऊजागर सिंह पुत्र श्री बरियाम सिंह  
(2) बरिन्द्र सिंह पुत्र श्री ऊजागर सिंह वासी 13 जे  
सराबा नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
शरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 44-डी जिसका क्षेत्रफल 976 वर्ग गज है  
और जो सराबा नगर लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रां कार्यालय  
लुधियाना के विलेख नं० 1176 जुलाई, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मार्च 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1978

निदेश सं० एलडीएच/172/77-78/—यतः मुझे,  
नरथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2ए जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरीया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सतपाल पुत्र खैरेती राम  
(2) इन्द मोहन पुत्र श्री खैरेती राम  
(3) श्री राज रानी पत्नी सतपाल, ऊषा रानी पत्नी श्री इन्द्र मोहन वासी 87 आफ आतम नगर, लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री संतोख सिंह जोहल 2ए, आई० ए० ए०, लुधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 2ए जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है और जो इन्डस्ट्रीयल एरीया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 1580 अगस्त, 1977 में दर्ज है

नरथू राम  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 मार्च, 1978  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1978

निदेश सं० एलडीएच/171/77-78/—यतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 2 बी० जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री नारिन्द्र मोहन पुत्र श्री खैरेती राम
- (2) श्री सुरिन्द्र मोहन पुत्र खैरेती राम
- (3) श्रीमती चांद रानी पत्नी श्री सुरिन्द्र मोहन

श्रीमती पुष्पा बती पत्नी श्री नारिन्द्र मोहन वासी 87 आफ उत्तम नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

2 बी, इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 बी जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख नं० 1579 अगस्त, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मार्च 1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० पीटीए/1/77-78/ —अतः भुझे, नत्थू

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कानाल 6 मरले है तथा जो गांव सानौर, तसील पटियाला, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सतम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पूरन सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी मुहल्ला : निम्नूमां वाला गांव सानौर तसील : पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार पुत्र आत्मा राम मार्फत : मै० पवन कुमार वेद प्रकाश, ठेकेदार भवानी गड़ (पटियाला)।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कानाल 6 मरले है और जो गांव सानौर तसील पटियाला में स्थित है।

जायेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख नं० 3012 सतम्बर 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च, 1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० पीटीए/39/77-78/ —अतः मुझे, नत्थू

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है तथा जो गांव सानौर तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) सर्व श्री पूरन सिंह पुत्र भगवान सिंह
- (2) श्री कुलवीर सिंह पुत्र पूरन सिंह
- (3) श्री तरलोचन सिंह पुत्र पूरन सिंह
- (4) श्री सरमुख सिंह पुत्र पूरन सिंह

वासी मुहला : तिमबून वाला गांव सानौर तहसील पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री आत्मा राम मार्फत मै० पवन कुमार वेद प्रकाश, ठेकेदार वासी : भगवान गड़ (पटियाला)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 32 कनाल है और जो गांव सानौर तहसील पटियाला में स्थित है।

जायेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख नं० 3013 सितम्बर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 मार्च, 1978  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च, 1978

निदेश सं० पीटीए/40/77-78/ —अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल है तथा जो गांव सानौर, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) सर्व श्री कुलबीर सिंह }  
(2) श्री तरलोचन सिंह पुत्र श्री } पूरन सिंह वासी  
मुहल्ला तिम्वूमा गांव सानौर तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार पुत्र श्री आत्तमा राम मार्फत मै० पवन कुमार, वेद प्रकाश, ठेकेदार वासी भवानीगढ़ (पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल है और जो गांव सानौर तहसील पटियाला में स्थित है।

जायेदाद जैसा के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में विलेख नं० 3014 सितम्बर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एलडोएच/212/77-78/—यतः मुझे  
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 46 आत्म नगर में है तथा जो  
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री इन्दर सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी 233,  
सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2 श्री योगेन्द्र चन्द, मुन्जल पुत्र श्री सत्या नन्द मुन्जल  
46, आत्म नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञा के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञा के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-  
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तरणी

कोठी नं० 46, आत्म नगर, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 2255  
अक्टूबर 1977 को लुधियाना के कार्यालय में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 15 मार्च, 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० एलडीएच/154/77-78/ —यतः मुझे,  
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० दो मंजिला इमारत -कम-ऑफिस इमारत नं०  
बी-VII /13/1 का हिस्सा है तथा जो कि चौड़ा बाजार,  
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
हिया गया

(क) अन्तरण में हुई निम्न आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वाचित्व में कमी कर या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8—26GI/78

1 श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह मार्फत पंजाब  
मैडिकल सेंटर गिल वार्ड पास चौक, लुधियाना।

(अन्तरक)

2 (1) सर्व श्री जग मोहन सिंह  
(2) श्री गुरचरन सिंह  
(3) हरजीत सिंह  
(4) जमपाल सिंह पुत्र

पुत्राण हरनाम सिंह

दुआश दसमण सिल्क स्टोर, चौड़ा बाजार लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जों के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

दो मंजिला इमारत का भाग शॉप-कम-ऑफिस इमारत  
नं० बी VII /13/1, जो कि चौड़ा बाजार, लुधियाना में  
स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख  
नं० 1241 जुलाई, 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रोज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एसएमएल/39/77-78 —यतः मुझे,  
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद जो नगीना सिंह हाऊस अनैक्सी के नाम से जानी जाती है का ऊपरी भाग है तथा जो स्टेशन वार्ड, शिमला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उद्धार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1 सरदार सरवन सिंह पुत्र सरदार नगीना सिंह निवासी नगीना हाऊस, दो माल शिमला।

(अन्तरक)

2 श्री राम सरण बख्शी पुत्र श्री बगदू राम दुआरा नेशनल बुक डिपोर्द माल शिमला।

(अन्तरगति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जो कि नगीना सिंह हाऊस अनैक्सी, उपर मंजिल के नाम से जानी जाती है, स्टेशन वार्ड, शिमला में स्थित है।

जायदाद जिसकी रजिस्ट्रीकर्ता शिमला के विलेख न० 556 अक्टूबर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 15 मार्च, 1978  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० एलडीएच/135/77-78/—यतः मुझे,

नरथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० 1141/1 बी XXV क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है तथा जो कि राहों रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री बधावा राम पुत्र श्री सिद्ध राम निवासी सुन्दर नगर, राहों रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

2 श्री गुरबखश सिंह पुत्र निरंजन सिंह नायब तहसीलदार, खरड़, जिला रूप नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1141/1 B. XXV जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है जो कि राहों रोड, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विसेख नं० 1067 जुलाई, 1977 में दर्ज है।)

नरथू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण).  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 मार्च, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एसएमएल/217/77-78/ --यतः मुझे,  
नन्धू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 200.5 वर्ग गज है  
(जिसका खसरा नं० 445-1-बी) है तथा जो कि सिद्धुवाल  
लोज, जखू स्टेशन वार्ड, बारा शिमला में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में,  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269ए की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. कैप्टन भाई फतेहजंग सिंह पुत्र भाई जयरजंग सिंह  
निवासी सिद्धुवाल लौज, शिमला।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री

(1) राम सिंह पुत्र नौधा राम

(2) सुदर्शन सिंह पुत्र राम सिंह

(3) यश पाल राना पुत्र राम सिंह निवासी 108-लोअर  
बाजार, शिमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करना पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 200.5 वर्ग गज (खसरा नं०  
445-1-बी) जो कि सिद्धुवाल लोज, जखू स्टेशन वार्ड बड़ा  
शिमला।

नन्धू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च, 1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एसएमएल/35/77-78—अतः मुझे, नरथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सात मंजिला इमारत में आधा भाग है तथा जो कि लोअर बाजार शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती स्वर्ण लता कुठियाला परनी श्री हरी कृष्ण कुठियाला, निवासी भगवती विला शिमला (हि० प्र०) (अन्तरक)

2. श्री जेम चन्द अग्रवाल पुत्र श्री राम चन्द्र दास अग्रवाल निवासी 140-लोअर बाजार, शिमला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सात मंजिला इमारत का 1/2 भाग जिसका खसरा नं० 450/45/ है जो कि लोअर बाजार शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता शिमला के विलेख नं० 527) अक्टूबर, 1977 में वर्ज है।

नरथू राम  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लुधियाना।

तारीख: 15 मार्च, 1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एसएमएल/28/77-78/ —अतः मुझे, नन्धू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 1/5 भाग इमारत नं० 135, है तथा जो लोअर बाजार, शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती निर्मला देवी विधवा श्री बालक राम सूरदे, निवासी, 135, लोअर बाजार शिमला:

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द अग्रवाल पुत्र श्री माम राज अग्रवाल मार्फत मैसर्स माम राज रमेश चन्द, निवासी 135, लोअर बाजार, शिमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धात्रेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/5 भाग इमारत जो कि 135, लोअर बाजार, शिमला (खसरा नं० 413) में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता शिमला के विलेख नं० 377 जुलाई, 1977 में दर्ज है)।

नन्धू राम  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख: 15 मार्च, 1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एलडीएच/158/77-78/—यतः मुझे  
नत्थू रामआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० कोठी नं० 119-आर, है तथा जो कि माडल  
टाऊन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--।(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. (1) श्री प्रताप सिंह }  
(2) हरभजन सिंह } पृत्तान श्री सुन्दर सिंह  
(3) श्री दर्शन सिंह }  
निवासी 115-एल, माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा मूद पत्नी श्री सतीश चन्द्र मूद निवासी  
कोठी नं० 119-आर, माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 119-आर, जो कि माडल टाऊन, लुधियाना में  
स्थित है।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख नं०  
1280 जुलाई, 1977 में दर्ज है)।नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।तारीख: 15 मार्च, 1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मार्च 1978

निदेश सं० एलडीएच/आर/57/77-78/ —यतः मुझे,  
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 47 कनाल  
7 मरले (जिसका 1/4 भाग क्षेत्रफल भूमि 189 कनाल 10  
मरला होता है) तथा जो कि गांव बंकर डोंगरा, तहसील व  
जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसी  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गाना चाहिए था, अत्राने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. चन्दा सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी गांव खानपुर  
तहसील और जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति देवी पुत्री श्री चानन राम निवासी  
68-ग्रोन पार्क सिविल लाइन लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपापः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 47 कनाल 7 मरले (कुल  
भूमि 189 कनाल 10 मरले का 1/4 भाग) जो कि  
गांव बंकर डोंगरा तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख  
नं० 2925, जुलाई, 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 मार्च, 1978  
मोहर :

प्रकृप धार्ई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 मार्च 1978

निदेश सं० आरपीएन/32/77-78/ —यतः, मुझे नाथू  
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का क्षेत्रफल 29 कनाल 18 मरले  
है तथा जो मौजा रामपुर तहसील रूपनगर में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्षितः—

9—26GI/78

1. मैसर्स डीको वुड और बोर्ड्स (प्राइवेट) लिमिटेड  
मोरिडा, तहसील और जिला रूपनगर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स किच कम्पस प्राइवेट लिमिटेड मोरिडा, तहसील  
और जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का क्षेत्रफल 29 कनाल 10 मरले जो कि मौजा  
रामपुर तहसील और जिला रूपनगर में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रूपनगर के  
बिलेख नं० 1340 जुलाई, 1977 में दर्ज है)।

नाथू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 22 मार्च, 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 मार्च, 1978

निदेश सं० एलडीएच/137/77-78/—यतः मुद्रा,

नस्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग नं० बीएक्सबी-70-71 क्षेत्रफल 66 वर्ग गज है। तथा जो जी० टी० रोड, मिलर गंज, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से न्यति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निवार में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

1. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री बख्शीश सिंह निवासी महबूरा तहसील फिलौर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द द्वारा गुप्ता एण्ड सन्सज जी०टी० रोड, मिलर गंज लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग नं० बीएक्सबी-70-71 क्षेत्रफल 66 वर्ग गज जो कि जी० टी० रोड, मिलर गंज में स्थित है।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख नं० 1082 जुलाई, 1977 में दर्ज है)।

नस्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 22 मार्च, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 मार्च, 1978

निदेश सं० एलडीएच/138/77-78/—यतः मुझे,

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का पोरशन नं० बीएक्सबी/70-71  
जिसका क्षेत्रफल 66 वर्ग गज है तथा जो कि जी० टी०  
रोड, मिलर गंज, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री बख्शीश सिंह निवासी महसुम  
पुर तहसील फिलौर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश गुप्ता पुत्र श्री रणबीर गुप्ता निवासी 57,  
क्लब रोड, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग नं० बीएक्सबी-70-71 क्षेत्रफल 66 वर्ग  
गज है जो कि जी० टी० रोड, मिलर गंज लुधियाना में स्थित  
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के विलेख नं०  
1083 जुलाई, 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 22 मार्च, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 मार्च 1978

निदेश सं० एसएमएल/16/77-78/ —यतः मुक्त,

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ग्राऊंड फ्लोर, पहली मंजिल, और दूसरी मंजिल जिसका नं० 106 लोअर बाजार, शिमला है तथा जो लोअर बाजार, शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री मंगत राम मिट्टू निवासी 104 जेजे/ईबी, नगल टाऊन शिप जिला रूप नगर।

(अन्तरक)

2. श्री ठाकुर दास निवासी 106-लोअर बाजार, शिमला।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राऊंड फ्लोर, पहली मंजिल और दूसरी मंजिल जिसका नं० 106-लोअर बाजार शिमला है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख नं० 326 जुलाई 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 22 मार्च, 1978

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ब (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना  
 लुधियाना, दिनांक 22 मार्च, 1978

निदेश सं० एसएमएस/17/77-78/ ---यतः मुझे,  
 नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है

और तीसरी और चौथी मंजिल नं० 93- बी माल  
 शिमला है तथा जो कि बी माल, शिमला में स्थित है (और  
 इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
 जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
 का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्त-  
 रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री मंगत राम मिट्टु निवासी  
 नं० 104 जेजे/ईबी नंगल टाऊन शिप जिला रूप नगर।  
 (अन्तरक)

2. (i) श्री विजय कुमार पुत्र श्री ठाकुर दास  
 (ii) रजिन्द्र कुमार पुत्र श्री ठाकुर दास निवासी 106  
 लोअर बाजार, शिमला।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
 किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

अनुसूची

तीसरी और चौथी मंजिल नं० 93, बी माल शिमला  
 जो कि शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला  
 के विलेख नं० 327 जुलाई, 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 22-3-1978  
 मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(निरीक्षण) अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 866/अर्जन/ गाजियाबाद/77-78/ 5900--

यतः मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ..... है तथा जो ..... में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 जुलाई 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्र०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मैसर्स सुप्रीम प्लास्टिको (प्राइवेट) लिमिटेड 6/13 इण्डस्ट्रियल एरिया कीर्ति नगर नई दिल्ली 110015 द्वारा श्री पद्मा लाल अग्रवाल पुत्र पुरषोत्तम दास अग्रवाल कम्पनी के निजी डायरेक्टर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जिन्दल ट्रस्ट 1202 शान्ताला 11 स्टेज राजाजी नगर बंगलौर 560010 द्वारा श्री पहलाद राय गुप्ता सुपुत्र श्री गोपीराम गुप्ता ट्रस्टी निवासी मकान नं० 5 लाजपत नगर फस्ट नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अबल सम्पत्ति फैक्टरी विल्डिंग स्थित आनन्द इण्डस्ट्रियल स्टेट जी० टी० रोड गाजियाबाद 2,10,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-12-1977

मोहर:

प्रसंग आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

निदेश 700 /अर्जन/मु० नगर/7778/6524—यतः  
मुझे, आर० पी० भार्गव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० ..... है तथा जो .....  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 18 जुलाई 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने के लिये मुद्रिणा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, किरान में मुद्रिणा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राम प्यारी पत्नी रामदिसामल 10/4 गांधी  
कालोनी मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रमा भसीन पत्नी नन्द कुमार 83 घेर  
खतियान नई मन्डी मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सक्रान नं० 83, घेर खतियान नई मन्डी मुजफ्फर नगर  
35,000) के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्री रोशन लाल भाटिया 46ए, फैंक्ट्री एरिया कानपुर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री छोटे लाल सचान पुत्र बाबू राम सचान, छोटे लाल पुत्र उमराव, राम कुमार सचान पुत्र छोटे लाल सचान 107/270 ब्रम्हनगर कानपुर।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1978

निदेश सं० 947/अर्जन/कानपुर/77-78/7109—

यतः मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०..... है तथा जो.....

.....में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 111/446 एवं मकान नं० 111/445 रानीगंज कानपुर का भाग 59,550 के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

1 श्री कानपुर कपड़ा कमेटी कानपुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री प्रमोद कुमार, विनोद कुमार आनन्द कुमार, राजेश कुमार एवं पवन कुमार निवासी 56/62 काहू कोठी कानपुर।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 जनवरी, 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

निर्देश नं० 934ए/अर्जन/कानपुर/7778/7405--यतः

मुझे आर० पी० भार्गव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

जिसकी सं० ..... है तथा जो.....

.....में स्थित है (अर्थात् इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-7-1977

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अचल सम्पत्ति मकान नं० 56/62 स्थित काहू कोठी कानपुर 2,00,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 24-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० 9358/अर्जन/कानपुर/7778/7645—यतः  
मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची अनुसार है तथा जो अनुसूची के  
अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध), अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 2-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 कमल कुमार कपूर पुत्र स्वर्गीय राम लाल कपूर  
निवासी बीच हाऊस फ्लेट बम्बे-2।

(अन्तरक)

2 श्री संजय मानसिंह निवासी हरिहरगंज, फतेहपुर  
वर्तमान पता-15/295 सिविल लाइन्स कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुमजिली बिल्डिंग नं० 15/238 सिविल  
लाइन्स कानपुर, 1,00,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयील

आर० पी० भार्गव,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख : 16-2-78

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०  
III/98/जुलाई-1 (18)/77-78/6214—यतः मुझे,  
जे० एस० गिल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी संख्या बी०-223 है तथा जो ओखला इन्डस्ट्रियल  
एरिया, फेस-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16)  
के अधीन तारीख 14-7-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भूमि आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री अखिल प्रकाश गर्ग, सुपुत्र श्री ओम प्रकाश गर्ग  
तथा श्रीमती सरला गर्ग, पत्नी श्री ओ० पी० गर्ग, निवासी  
बी-4/2, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, सेक्टर-13, आर० के०  
पुरम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मै० एम० एम० इन्टरनैशनल प्रा० लि०, इनके मैनेजिंग  
डाइरेक्टर श्री प्रकाश चन्द्र मेहता के द्वारा, सुपुत्र श्री गोपाल  
दास मेहता, निवासी 41, कैलाई अपार्टमेंट, नई दिल्ली-48।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक लीज-होड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है  
तथा नं० बी०-223 है, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-I,  
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 20 चौड़ी खुली भूमि  
पश्चिम : 80 फुट चौड़ी सड़क  
उत्तर : प्लॉट नं० 224  
दक्षिण : प्लॉट नं० 226।

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, दिल्ली/नई दिल्ली-1।

तारीख : 30-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/89/  
जुलाई, II (15)/77-78/6214-यतः मुझे, जे० एस०  
गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एन०-194 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख ..... 197

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० सीट टायर्स आफ इण्डिया लि०, इनके जनरल  
मैनेजर श्री रसतम फिराज बोगा के द्वारा, निवासी 463, डा०  
ऐन्नी बीसन्त रोड, वरली, बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री पी० के० जे० मैनन, सुपुत्र स्वर्गीय श्री पी० के०  
के० आड्यर, तथा श्रीमती लीला मैनन, पत्नी श्री पी० के०  
जे० मैनन, निवासी एन-194, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 294 वर्ग गज (246.62  
वर्ग मीटर) है, और नं० एन-194 है, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली  
में याक्त्तपुर के राजस्व इस्टेट में दिल्ली राज्य में निम्न प्रकार  
से स्थित है:—

पूर्व: जायदाद नं० एन-196

पश्चिम: जायदाद नं० एन-192

उत्तर: सर्विस रोड

दक्षिण: रोड।

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-3-1978

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 8 मार्च, 1978

निर्देश सं० के 79 अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 89 नजर बाग लखनऊ है तथा जो स्थित लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त खनि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एस० मनमोहन सिंह (अन्तरक)
2. श्री कन्हैया लाल शास्त्री (अन्तरिती)
3. श्री कन्हैया लाल शास्त्री (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 89 नजर बाग लखनऊ, फ्री होल्ड, क्षेत्र-फल लगभग 2000 वर्ग फुट तथा वह सब विवरण जो कि सेल डीड और फार्म 37 जी संख्या 2308 दिनांक 18-7-77 में वर्जित है और जो सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 8-3-1978

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

## इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1978

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० एफ० 2/7/77-प० I (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 15 अप्रैल, 1978 में रेल मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोच्चिन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गौहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना शिलांग, शिमला श्रीनगर, और त्रिवेंद्रम में 8 अगस्त, 1978 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय-सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबन्ध पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर सेवाओं/पदों के निम्नलिखित वर्गों में भर्ती की जाएगी—

- वर्ग I —सिविल इंजीनियरी  
वर्ग II —यांत्रिक इंजीनियरी  
वर्ग III —वैद्युत इंजीनियरी  
वर्ग IV —इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

प्रत्येक वर्ग के अन्तर्गत विभिन्न सेवाओं/पदों में लगभग कितनी रिक्तियां हैं यह नीचे दर्शाया गया है :—

## वर्ग I—सिविल इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा 16\*\*  
(ii) भारतीय रेल भंडार सेवा @ (सिविल इंजीनियरी पद)  
(iii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा 20, (अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)  
(iv) सेना इंजीनियर सेवा 40 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 12 और अ० ज० जा० के

उम्मीदवारों के लिए 8 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

- (v) भारतीय आयुध कार-खाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (सिविल इंजीनियरी पद) 1

- (vi) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद) 20 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए दो आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

- (vii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) 1

- (viii) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) (डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध)। 15\*\*

- (ix) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा। \* ग्रुप 'ख' की सेवाएं/पद

- (x) सहायक इंजीनियर (सिविल) डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध। 50\*\*

- (xi) सहायक इंजीनियर (सिविल), आकाश-वाणी का सिविल आरक्षित निर्माण स्कन्ध। 4 (अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 सम्मिलित हैं)।

## वर्ग II—यांत्रिक इंजीनियरी

## ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा 10\*\*  
(ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) @  
(iii) भारतीय आपूर्ति सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)। 1  
(iv) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) 5 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(v) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।	10 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है ।)	ग्रुप 'ख' की सेवाएं/पद	
(vi) सेना इंजीनियर सेवा (वैद्युत तथा यांत्रिक संवर्ग) (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।	15 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 5 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं )	(xv) सहायक यांत्रिक इंजीनियर भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण ।	*
(vii) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक) ।	14 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं ।)	(xvi) कर्मशाला अधिकारी, (यांत्रिक), ई०एम०ई० कोर, रक्षा मन्त्रालय ।	3 (अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है) ।
(viii) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।	3 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है ।)	वर्ग III—वैद्युत इंजीनियरी ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद	
(ix) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण ।	*	(i) वैद्युत इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा ;	10**
(x) सहायक ड्रिलिंग इंजीनियर, भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण ।	*	(ii) भारतीय रेल भंडार सेवा—(वैद्युत इंजीनियरी पद) ।	@
(xi) सहायक प्रबन्ध (कारखाना) (डाक व तार दूर संचार कारखाना संगठन) ।	1	(iii) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (केन्द्रीय इंजीनियरी पद) ।	8 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है ।)
(xii) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (यांत्रिक, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा) ।	*	(iv) भारतीय आपूर्ति सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद)	1 (यह रिक्ति अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है) ।
(iii) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक) ई०एम०ई० कोर, रक्षा मन्त्रालय ।	11 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं ।)	(v) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।	5 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है) ।
(xiv) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद) ।	*	(vi) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।	*
		(vii) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।	35 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 12 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं) ।
		(viii) सहायक कार्यपालक इंजीनियर (वैद्युत) (डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) ।	5**
		(ix) सेना इंजीनियर सेवा (वैद्युत तथा यांत्रिक संवर्ग) (वैद्युत इंजीनियरी पद) ।	10 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है ।)

- (x) कर्मशाला अधिकारी 5 (अ० जा० के उम्मीद-  
(वैद्युत) ई० एम० ई० वारों के लिए एक  
कोर रक्षा मन्त्रालय। आरक्षित रिक्ति  
सम्मिलित है।)
- ग्रुप 'ख' सेवाएं/पद
- (xi) सहायक इंजीनियर 1 15\*\*  
(वैद्युत) (डाक व तार  
सिविल इंजीनियरी  
स्कन्ध)।
- (xii) सहायक इंजीनियर 4 (अ० जा० के उम्मीदवारों  
(वैद्युत), आकाश- के लिए एक और अ० ज०  
वाणी सिविल निर्माण जा० के उम्मीदवारों के  
स्कन्ध। लिए एक आरक्षित  
रिक्ति सम्मिलित है।)
- (xiii) कर्मशाला अधिकारी 1 (रिक्ति अ० जा० के  
(वैद्युत) ई० एम० ई० उम्मीदवारों के लिए आ-  
कोर, रक्षा मन्त्रालय। रक्षित)।

वर्ग 1—इलैक्ट्रानिकी तथा दूरसंचार इंजीनियरी  
(ग्रुप 'क' सेवाएं पद)

- (i) सिगनल इंजीनियरों की 6\*\*  
भारतीय रेल सेवा।
- (ii) भारतीय रेल भंडार @  
सेवा (दूर संचार/  
इलैक्ट्रानिक इंजीनियरी  
पद)।
- (iii) तार इंजीनियरी सेवा 80\*\*
- (iv) इंजीनियर, वेतार योजना 2\*\*  
और समन्वय स्कन्ध/  
अनुश्रवण संगठन  
संचार मन्त्रालय।
- (v) उप प्रभारी इंजीनियर 3  
समुद्रपार संचार सेवा।
- (vi) सहायक स्टेशन इंजी-  
नियर आकाशवाणी
- (vii) तकनीकी अधिकारी, 7 (अ० जा० के उम्मीद-  
सिविल विमानन विभाग। वारों के लिए 2 और  
अ० ज० जा० के उम्मीद-  
वारों के लिए एक आरक्षित  
रिक्ति सम्मिलित है)।
- (viii) संचार अधिकारी सिविल 3 (अ० जा० के उम्मीद-  
विमानन विभाग। वारों के लिए एक  
आरक्षित रिक्ति सम्मिलित  
है)।

- (ix) भारतीय आयुध कार- 1  
खाना सेवा (इंजीनियरी  
शाखा) (इलैक्ट्रानिकी  
इंजीनियरी पद)
- (x) भारतीय नौसेना, 2 (अ० ज० जा० के  
आयुध सेवा (इलैक्ट्रानिक इंजीनियरी पद)। उम्मीदवारों के लिए 1  
आरक्षित रिक्ति सम्मिलित  
है)।
- (xi) केन्द्रीय शक्ति इंजी- 5 (अ० जा० के उम्मीद-  
नियरी सेवा (दूर वारों के लिए एक और  
संचार इंजीनियरी पद)। अ० ज० जा० के उम्मीद-  
वारों के लिए एक आरक्षित  
रिक्ति सम्मिलित है)।
- (xii) कर्मशाला अधिकारी 4 (अ० जा० के उम्मीद-  
(इलैक्ट्रानिकी) वारों के लिए 1 अ० ज० जा०  
ई० एम० ई० कोर, के उम्मीदवारों के लिए 1  
रक्षा मन्त्रालय। आरक्षित रिक्ति सम्मिलित  
है)।

ग्रुप 'ख' सेवाएं पद

- (xiii) तार यातायात सेवा \*
- (xiv) सहायक इंजीनियर \*  
आकाशवाणी
- (xv) सहायक इंजीनियर 20 (अ० जा० के  
समुद्र पार संचार सेवा। उम्मीदवारों के लिए 5  
और अ० ज० जा०  
के उम्मीदवारों के लिए  
3 आरक्षित रिक्तियां  
सम्मिलित है।)
- (xvi) तकनीकी सहायक (ग्रुप 28 (अ० जा० के उम्मीद-  
'ख'—अराजपक्षित वारों के लिए 7 और  
समुद्रपार संचार सेवा। अ० ज० जा० के उम्मीद-  
वारों के लिए 5 आरक्षित  
रिक्तियां सम्मिलित है)।)
- (xvii) कर्मशाला अधिकारी 1  
(इलैक्ट्रानिकी),  
ई० एम० ई० कोर,  
रक्षा मन्त्रालय।
- @ भारतीय रेल भंडार  
सेवा में रिक्तियों की  
संख्या 10\*\* है।

विभिन्न रेलवे इंजीनियरी सेवाओं (सिविल, यांत्रिक, वैद्युत और सिगनल), भारतीय रेल भंडार सेवा और भारतीय आयुध कारखाना सेवा (सिविल, यांत्रिक वैद्युत और इलैक्ट्रानिकी) के सामने दिखाई गई रिक्तियां स्थायी हैं।

दूसरी अन्य सेवाओं और पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियां अस्थायी हैं।

उपर्युक्त संस्थाओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

\*रिक्तियां सरकार ने सूचित नहीं की हैं।

\*\*अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

नोट :—उपर्युक्त सेवाओं पदों पर भर्ती नियमावली के परिशिष्ट I में निर्धारित परीक्षा योजना (योजनाओं) के आधार पर की जाएगी।

3 उम्मीदवार-उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से सबके लिए या किसी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के वर्ग के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटिस के पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी केवल एक बार देना होगा और प्रत्येक वर्ग के सेवा पद, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है, के लिए अलग-अलग शुल्क नहीं देना होगा।

ध्यान दें 1:—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों, अपने आवेदन-पत्रों में उनका वरीयता क्रम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहें उतनी वरीयताओं का उल्लेख कर ताकि योग्यता क्रम में उनके रैंक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उन्हीं सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उन पर विचार दिया जाएगा जिनके लिए उन्होंने अपनी वरीयता का उल्लेख दिया है और किसी अन्य सेवा/पद के लिए नहीं।

सेवा(ओं)/पद(पदों) वर्ग या वर्गों तथा सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियर तथा इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी (देखिए नियमावली की प्रस्तावना) में सम्मिलित जिन सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके सम्बन्ध में उम्मीदवार द्वारा इंगित वरीयता-परिवर्तन के किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध 30 अक्टूबर, 1978 को या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

ध्यान दें 2 : उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं और पदों के वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः नियम 5 (ख) या 5 (ग) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवार केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही

प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की वरीयता पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट : उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। इंजीनियरी सेवा परीक्षा 1978 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से हटकर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 29 मई, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 12 जून, 1978 को या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 29 मई, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 80.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 20.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेशस्थित प्रतिनिधि, जसी भी

स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेख शीर्ष में जमा हो जाए। और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में उक्त अपेक्षाएं पूरी नहीं होंगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे 54.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹० 14.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा यह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क आपसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबन्धों को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

राम स्वरूप गोयल,  
उप सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

#### अनुबन्ध

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए, कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अन्तिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3 उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाणपत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए नोटिस का पैरा 5 और 6 और नीचे पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

- (6) जहाँ लागू हो वहाँ आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। परिणाम संभवतः दिसम्बर, 1978 में घोषित किए जायेंगे। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तिस्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं :—

- (i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर “सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

- (ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए, और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा संधारित मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्व-विद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1 : जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 : उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसे स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय

या किसी परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे की पुष्टि में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

आयोग को अपना आवेदन-पत्र भेजत समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के अधीन दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के पैरा 1 में निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध कालेज/विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल/रजिस्ट्रार/डोन से लिए गए इस आशय के एक प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्रदान किए जाने के लिए आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

नोट 1 :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से अर्हता प्राप्त हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हाल में 30 अक्टूबर 1978 तक नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

अर्हक परीक्षा उत्तीर्णता दर्शाने वाला-प्रमाण

\*1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
—सुपुत्र/सुपुत्री\* ने — जो इस कालेज के/  
की\* छात्र/छात्रा\* हैं — परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है  
और डिग्री प्राप्त करने के/की\* पात्र हो गए/गई हैं तथा उन्हें  
—श्रेणी मिली है।

\*2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
—सुपुत्र/सुपुत्री\* — मास,  
19 में — द्वारा आयोजित — परीक्षा  
में बैठने वाले/वाली\* है बैठे/बैठी\* है और उक्त परीक्षा के परिणाम  
की — 19 तक घोषित हो जाने की  
सम्भावना है।

हस्ताक्षर —

पदनाम —

संस्था का नाम —

स्थान जहां स्थित है —

दिनांक —

\*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

नोट 2 :—नियम 6 के परन्तुक में उल्लिखित योग्यताओं के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को सम्बद्ध कालेज/संस्था/विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल/डोन से यह दर्शाने वाले प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमें दिए गए विशेष विषयों में से एक विषय लेकर एम० एस० सी० डिग्री परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है/परीक्षा दी है।

(iv) फोटोग्राफ:—उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नटथी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii), 3(iii) 3(iv) 3(v) और 3(vi) में उल्लिखित प्रलेख आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों। तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे (ऊपर पैरा 3(iii) के नोट 1 में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर) हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अन्तिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) ग्राम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्रामतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री — जो गांव/  
कस्बा\* — जिला/मंडल\* — राज्य/  
संघ\* राज्य क्षेत्र\* — के/की\*  
निवासी है — जाति/जन\*जाति



के/की\* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित\*  
जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,  
1951\*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची  
(असोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960,  
पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966; हिमाचल प्रदेश राज्य अधि-  
नियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम,  
1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां  
आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित]  
संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1956\*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन  
जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन  
जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित\*  
संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां  
आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश,  
1967\*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1968\*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश,  
1968\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*—श्रीर/या\* उनका  
परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा\*—  
जिला/मंडल\*—राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र  
में रहते/रहती\* है।

हस्ताक्षर

\*\*पदनाम

(कार्यालय की मोहर सहित)

राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र

स्थान—

तारीख—

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां प्रयुक्त “ग्राम तौर से रहते/रहती है” का  
अर्थ वही होगा जो “रिप्रजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट 1950”  
की धारा 20 में है।

\*\*जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम  
अधिकारी।

(1) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/  
डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी  
क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्डिपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी  
मैजिस्ट्रेट/सर्वा-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट  
एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टार्डिपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम आहूदे  
का नहीं)।

(2) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी  
मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(3) रेवेन्यू अफसर जिसका आहूदा तहसीलदार से कम  
न हो।

(4) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीद-  
वार और/या उसका परिवार ग्रामतौर से रहता  
हो।

(5) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट  
अफसर “लक्षद्वीप”।

5. (i) नियम 5 (घ०) (ii) या 5 (घ०) (iii) के  
अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/  
या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा  
करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से  
विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक  
से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह  
दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी  
पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1  
जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के  
दौरान प्रजनन कर भारत आया है :—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा  
विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प  
कमांडेंट।

- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 5 (घ) (iv) अथवा 5 (घ) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 5 (घ) (vi) अथवा 5 (घ) (vii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून 1968 को या उसके बाद भारत आया है।

(iv) नियम 5 (घ) (viii) अथवा 5 (घ) (ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनः स्थापन, रक्षा मन्त्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि से प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के रैंक नं०----- श्री-----रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/

अशांतिग्रस्त\* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर -----  
पदनाम -----  
दिनांक -----

\*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 5 (घ) (x) अथवा 5 (घ) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मन्त्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----  
के रैंक नं०----- सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर -----  
पदनाम -----  
तारीख -----

(vi) नियम 5 (घ) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, इसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(vii) नियम 5 (घ) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अनुसंधान अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह इलाका आता हो उसके प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और जिसमें वे तारीखें विनिर्दिष्ट हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैद, जैसी भी स्थिति हो उम्मीदवार के राजनैतिक सम्बन्धों

या कार्य कलापों या तत्कालीन प्रतिबन्धित संगठनों से उसके सम्बन्ध रखने के अनुसरण में थी।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (i), (ii) और (iii) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के रेल/निर्माण और आवास/रक्षा/उर्जा/कृषि और सिंचाई/संचार/उद्योग और नागर पूर्ति/पूर्ति और पुनर्वास/इस्पात और खान/जहाजरानी और परिवहन/सूचना और प्रसारण/पर्यटन और सिविल विमानन मन्त्रालय द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तोड़ें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए/भूटे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरु होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का ब्यौरा सम्मिलित होता है, उनकी

विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइंस दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक, बाबा सड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (ii) प्रकाशन शाखा के विक्री काउंटर, उद्योग भवन नई दिल्ली-110001 और कार्यालय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-1100011 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्रों से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को भेजे जायें तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा, सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जायें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### कर्मचारी चयन आयोग

#### विज्ञप्ति

उच्च श्रेणी ग्रैंड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1978

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० 13/3/78-ई० ए०—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा तथा रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रैंड की प्रवर सूचियों में वृद्धि करने हेतु कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली के

द्वारा 22 और 23 सितम्बर, 1978 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेशों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पात्रता की शर्तें :—उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा का नियमित रूप से नियुक्त स्थायी अथवा अस्थायी अधिकारी होना चाहिए और जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो :—

क. सेवा अवधि :—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में 1-1-1978 को पांच वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।

ख. आयु :—1 जनवरी, 1978 को 50 वर्ष से अधिक नहीं हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गों के लिए ऊपरी सीमा आयु में छूट होगी।

ग. टंकण परीक्षा :—जब तक अवर श्रेणी ग्रेड में पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षणशाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध/

अधीनस्थ सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित मासिक/त्रैमासिक टंकण परीक्षा से छूट प्राप्त न हो, उसे इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख को अथवा इस से पहले ऐसी परीक्षा पास होना चाहिए।

3. फीस :—रु० 12/- (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 3/-)

4. पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र परीक्षा नियंत्रक, कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिम खण्ड-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को 1.00 रुपये के रेखित ("प्राप्त कर्त्ता लेखा") भारतीय पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को सरोजिनी नगर, डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा आयोग के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग को 23 मई, 1978 (6 जून, 1978 विदेशों में तथा अंडमान एवम् निकोबार द्वीप समूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

विवेक भट्टाचार्य,  
परीक्षा नियंत्रक

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 27th March 1978

No. F.6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to make the following appointments in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of 21 March, 1978, until further orders :

- (i) Shri D. R. Luthra, Court Master, is appointed to officiate as Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India.
- (ii) Shri P. N. Likhani, Officiating Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India, will work in his substantive post of Private Secretary to the Hon'ble Judge.

M. P. SAXENA,  
Registrar (Admn.).

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th March 1978

No. A.32013/2/77-Admn.I(i).—In continuation of this office notification of even number dated 17-1-78 the Chairman, Union Public Service Commission hereby allows Shri V. N. Vaidyanathan to continue as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for a further period with effect from 1-3-78 to 15-4-78 or until further orders whichever is earlier, *vide* proviso to regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff Regulations, 1958, amended upto date.

No. A.32013/2/77-Admn.I(ii).—In continuation of this office notification of even number dated 17-1-78 the Chairman, Union Public Service Commission, hereby allows Dr. R. Bhaskaran to continue as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for a further period with effect from 1-3-78 to 15-4-78 or until further orders whichever is earlier, *vide* proviso to regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended upto date.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.  
for Chairman,  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 13th February 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 2-2-78 to 11-3-78 or until further orders, whichever is earlier.

The 18th March 1978

No. A.33012/1/76-Admn.III.—On completion of State Executive training with the Government of Uttar Pradesh, Shri S. K. Mishra assumed charge of the office of Section Officer in Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 20th Feb., 1978.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.  
(Incharge of Administration)

New Delhi-110011, the 8th March 1978

No. A. 32013/1/77-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.  
12—26GI/78

Sl. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	R. R. Ahir	1-2-78 to 28-2-78
2.	L. B. Sinate	22-1-78 to 28-2-78
3.	Pritam Lal	16-1-78 to 28-2-78

P. N. MUKHERJEE  
Under Secretary  
Union Public Service Commission

## ENFORCEMENT DIRECTORATE

## FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 7th March 1978

No. A-11/6/78.—Shri S. N. Chadha, Assistant Enforcement Officer, Delhi Zonal Office has been appointed to officiate as Enforcement Officer with effect from 28th February 1978 (AN) and until further orders.

J. N. ARORA  
Dy. Director (Admn.)

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 17th March 1978

No. 38 RCT 7.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri R. N. Muhuri, I.A.S., as Deputy Secretary (Training) in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th March 1978, until further orders.

SHRI NIVAS, Under Secy.  
for Central Vigilance Commissioner

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 29th March 1978

No. PF/A-2/69-Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri A. V. Gopalakrishnan APP Grade I of Tamil Nadu as Senior Public Prosecutor on deputation in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 8th August 1977, until further orders.

JARNAIL SINGH  
Administrative Officer(E)  
C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110001, the 21st March 1978

No. O-II-1087/73-East.—Consequent on his retirement from Government Service Shri B. G. Rhonsle relinquished charge of the post of Dy. S.P. 49 Bn., CRPF, on the afternoon of 28th February 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Asstt. Director (Adm.)

## OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 17th March 1978

No. E-38013(3)/10/77-Pers.—On transfer from Nangal, Shri K. D. Nayar IPS (UT-67) relinquished the charge of the post of Commandant CISE Unit FCI Naya Nangal w.e.f. the afternoon of 20th February 1978 and assumed the charge of the post of Commandant CISE Trg. Reserve, New Delhi with effect from the forenoon of 21st February 1978.

The 21st March 1978

No. F.16013(1)/3/75-Pers.—On his appointment as Deputy Inspector-General of Police under the Delhi Adminis-

tration, Shri I.B. Negi, IPS (UP-1958), relinquished the charge of the post of Deputy Inspector-General (Recruitment and Training), CISE Headquarters, New Delhi, with effect from the forenoon of 20th March 1978.

R. C. GOPAL  
Inspector General

MINISTRY OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 20th March 1978

No. 7(27)/9979.—Shri P. L. Narayanan, Asstt. Chief Control Officer has retired from Government service on 14th December 1977 (A.N.) under the scheme of Voluntary Retirement.

R. VISWANATHAN  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR  
SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 27th March 1978

No. Admn./33-2A/75/7532.—Sri Bimalendu Ghosh, Permanent member of Subordinate Railway Audit Service in the Office of Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta, was promoted to officiate as Audit Officer from 1st February 1978 until further orders.

K. N. MURTHI  
Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 22nd March 1978

No. 18291/AN-II.—On attaining the age of 58 years Shri S. Ganesan, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 30th April 1978 (A.N.).

2. Shri Ganesan has been granted earned leave for 21 days from 10th April 1978 to 30th April 1978 (Sunday) both days inclusive, pending his retirement from service.

CORRIGENDUM

3. Notification bearing this office even No. dated 15th December 1977 in respect of Shri S. Ganesan, is hereby cancelled.

No. 3583/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Kacker, an officer in Level I of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service serving on deputation as Financial Adviser (Defence Services) and Additional Secretary to the Government of India, Ministry of Finance, to the grade of Controller General of Defence Accounts in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st December 1977, until further orders, under the 'Next Below Rule'.

The 27th March 1978

No. 18285/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri D. R. Malhotra, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31st July 1978 (AN).

2. Shri Malhotra, A.C.D.A. has been granted leave Pending Retirement for 131 days with effect from 23rd March 1978 to 31st July 1978.

CORRIGENDUM

Notification bearing this office even No. dated 28th January 1978 in respect of Shri D. R. Malhotra, A.C.D.A. is hereby cancelled.

V. S. BHIR  
Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT  
FACTORIES

Calcutta, the 21st March 1978

No. 2/78/A/M.—The following amendment is made to the Draft Gazette Notification No. 2/77/A/M forwarded under this HQ No. 375/A/M dt. 29th December 1977 :—

Against Serial No. 2 Date

For 10-10-77  
Read 7-10-77

The 23rd March 1978

No. 1/78/A/M.—The President is pleased to appoint the following officers with effect from the date indicated against each until further orders :

Sl. No.	Name and Post	Posted at	Date
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Dr. Kamal Kumar Jain, Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Katni.	23-12-77
2.	Dr. Sannyasi Charan Nas- kar, Asstt. Medical Officer.	Rifle Factory, Ishapore.	16-1-78
3.	Dr. Anil Kumar Bhatia, Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Kanpur.	6-2-78
4.	Dr. L. Ramachandra Murthy, Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Ambarnath	27-2-78

Brig. P. N. TRIKHA,  
DIRECTOR OF HEALTH SERVICES  
for Director General, Ordnance Factories

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 22nd March 1978

No. 11/78/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. DDGOF (Level I) /GM (SG)-Level-I with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri S. S. Basu, Offg. DDGOF 3rd Jan., 1978  
(Level-II)
- (2) Shri Shiva Prasad, Offg. GM(SG)- 3rd Jan., 1978  
Level-II

No. 12/78/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri D. P. Goel, Offg. D.M. 25th Nov., 1977
- (2) Shri D. I. Srivastava, Pt. D.M. 3rd Nov., 1977
- (3) Shri P. Satyanarayana, Pt. D.M. 3rd Nov., 1977
- (4) Shri Baldeo Ram, Pt. DADG 3rd Nov., 1977
- (5) Shri N. S. Theeng, Pt. D. M. 3rd Nov., 1977
- (6) Shri Ramji Rai, Pt. D. M. 3rd Nov., 1977
- (7) Shri S. K. Suri, Pt. DADG 3rd Nov., 1977
- (8) Shri G. Subramanian, Pt. DADG 3rd Nov., 1977

No. 13/78/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. AM/TSO with effect from the date shown against them, until further orders :

- |                                     |                |
|-------------------------------------|----------------|
| (1) Shri P. K. Bashyam, Pt. Foreman | 3rd Nov., 1977 |
| (2) Shri S. C. Gupta, Offg. SH      | 7th Nov., 1977 |
| (3) Smt. Tapati Ghosh, Offg. SA     | 3rd Nov., 1977 |

V. K. MEHTA  
Asstt. Director General, Ordnance Factories

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER**  
**SMALL SCALE INDUSTRIES**  
New Delhi, the 16th March 1978

No. A-19018/330/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Venigalla Vithal Koteswara Rao as Deputy Director (Food) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 1st March 1978, and until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri V. V. Koteswara Rao assumed charge of the post of Deputy Director (Food) at Small Industries Service Institute, Madras w.e.f. the forenoon of 1st March 1978.

The 17th March 1978

No. 12(212)/61-Admn.(G).—Consequent upon his appointment on deputation basis as Director of Industries, Andaman and Nicobar Administration, Shri J. N. Bhaktā, relinquished charge of the post of Deputy Director (Metallurgy) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries w.e.f. the afternoon of 31st January 1978.

V. VENKATRAYULU  
Dy. Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**  
**(ADMINISTRATION SECTION A-1)**

New Delhi-1, the 22nd March 1978

No. A-1/1(832).—Shri S. K. De-Sarkar, permanent Assistant Director (Admn) (Grade II) in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(1116)/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned candidates nominated by the Union Public Service Commission on the results of Engineering Services Examination, 1976 as Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) (Gr de III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the dates given against their names.

- |                                    |           |
|------------------------------------|-----------|
| (1) Shri Dinesh Chandra .. .. .    | 1-3-1978  |
| (2) Shri Arun Kumar Jain .. .. .   | 1-3-1978  |
| (3) Shri Arun Golas .. .. .        | 1-3-1978  |
| (4) Shri S. K. Chopra .. .. .      | 2-3-1978  |
| (5) Shri K. S. P. S. Tomar .. .. . | 3-3-1978  |
| (6) Shri K. K. Marwah .. .. .      | 6-3-1978  |
| (7) Shri S. D. Narang .. .. .      | 15-3-1978 |

(ADMINISTRATION A-6)

The 18th March 1978

No. A-17011/137/78-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri G. C. Mukherjee, Examiner of Stores (Met.) in the Jameshpur Inspectorate to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the same Inspectorate w.e.f. the forenoon of 10th February 1978 until further orders.

SURYA PRAKASH  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals

**MINISTRY OF STEEL & MINES**  
**DEPARTMENT OF STEEL**  
**IRON & STEEL CONTROL**

Calcutta-20, the 15th March 1978

No. HSCO (Compensation/Policy).—In continuation of the Notification of even No. dated 21st January 1978 and in exercise of the powers conferred upon me as Commissioner of Payments under Section 5(2) of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (Central Act 89 of 1976), I hereby authorise Shri S. R. Barua Chowdhury, an Officer appointed by the Central Government vide Department of Steel Notification No. Ind. II-8(108)/76 dated 27th January 1978 as endorsed to me in Ministry's No. Ind (II)8(108)/76, dated 27th January 1978, to operate the accounts on my behalf as such Commissioner of Payments, as provided under Section 6(2) of the said Act.

P. K. SARKAR  
Commissioner of Payments

**DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 27th March 1978

No. 10/123/77/SHF.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. Venkatasubramanian to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Dibrugarh with effect from 13th February 1978.

A. K. BOSE  
Dy. Director of Admn.  
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING**  
**FILMS DIVISION**

Bombay-400026, the 20th March 1978

No. 3/5/63-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri N. Bhaskara Iyer, Officiating Newsreel Officer, Films Division, Hyderabad retired from service from the afternoon of the 28th February 1978.

M. CHANDRAN NAIR  
Administrative Officer  
for Chief Producer

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 22nd March 1978

No. 6-4/75-DC.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. Vishwanath Mudgal, Associate Pharmacognocist, Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the afternoon of 1st March 1978.

S. S. GOTHOSKAR  
Drugs Controller (India)  
for Director General of Health Services

New Delhi, the 20th March 1978

No. 17-29/73-Admn.I.—Consequent on his appointment to the post of Deputy Drugs Controller (India), North Zone, Ghaziabad, Dr. P. Das Gupta relinquished charge of the post of Pharmacologist in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the afternoon of the 16th February 1978.

No. A.12025/6/76(NMEP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. J. Rahman to the post of Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th February 1978, and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Com-

municable Diseases, Delhi, Dr. S. J. Rahman relinquished charge of the post of Assistant Director (Entomology) held by him in National Malaria Eradication Programme, Delhi on *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 10th February 1978.

No. A.12025/3/77/(NICD)Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Ziauddin Khan to the post of Asstt. Director (Mycology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the forenoon of 25th January 1978, on a temporary basis, and until further orders.

No. A.19020/7/78(PHTC)/Admn.I.—Consequent on his transfer from the post of Evaluation Officer in Regional Health Office, Calcutta, Shri S. P. Misra assumed charge of the post of Senior Training Officer in the Rural Health Training Centre, Najafgarh (Delhi), on an *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 30th January 1978.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 22nd March 1978

No. A.12026/20/77-ADMN.I(Hosps.).—In continuation of the Directorate General of Health Services Notification No. A. 12026/20/77-Admn.I, dated the 20th September 1977, the President is pleased to appoint Dr. G. L. Sabharwal to the post of Staff Surgeon (Dental) in the C.G.H.S., Delhi with effect from 14th February 1978 on regular basis until further orders.

R. K. JINDAL  
Under Secy.

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS POSTAL, KAPURTHALA

Kapurthala, the 23rd March 1978

#### NOTICE

O.O. No. Admn/A-VI/Discip/Satnam Singh/548.—Shri Satnam Singh s/o Shri Pritam Singh, previously group 'D' official of this office had been on unauthorised absence since 21st September 1977 and failed to acknowledge receipt of any of the memoranda issued to him at his known address. After following the necessary disciplinary proceedings under the departmental rules, it was decided to remove him from service with effect from 13-3-78 (F.N.) and the order of his removal from service was sent to him at his available address in the office. As the registered cover containing the order of removal of the official from service sent to him at his available address has been received back undelivered, it is, hereby notified that Shri Satnam Singh, Group 'D' S/o Shri Pritam Singh stands removed from service w.e.f. 13th March 1978 (F.N.)

R. C. BHANDARI  
Director of Accounts(Postal),  
Kapurthala

#### KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA (KRISHI VIBHAG)

#### VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi-1, the 10th March 1978

No. F.2-10/76-Estt.(I).—The *ad hoc* appointments of S/Shri S. L. Dhir and G. D. Gulati in the posts of Superintendent (Grade I) are hereby continued beyond 28th February 1978 and upto 30th April 1978.

CHANDRA PRAKASH  
Director of Administration

#### (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 22nd March 1978

No. F.4-6(119)/77-A.III.—The short term appointment of Shri R. C. Singhal to the post of Assistant Marketing Officer

(Group I), sanctioned upto 8th March 1978 *vide* this Directorate's Notification of even No. dated 6th November 1977, has been extended upto 8th June 1978 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA,  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

#### PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 27th December 1977

No. 5/1/77/Estt.II/5270.—On transfer from the Heavy Water Projects, Shri R. N. Ramchandani, a permanent Assistant in BARC and officiating Asstt. Personnel Officer in Heavy Water Projects is appointed as an officer in the Asstt. Administrative Officer's Grade (Rs. 650—960) in the Bhabha Atomic Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of December 14, 1977 until further orders.

V. M. KHATU  
Dy. Establishment Officer  
for Controller

Bombay-85, the 27th December 1977

No. 5/1/77/Estt.II/5269.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri K. K. Prabhakaran Nair, a permanent Stenographer in the Power Project Engineering Division to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's Grade (Rs. 650—960) in the Bhabha Atomic Research Centre (PREFRE, Tarapur) with effect from the forenoon of November 28, 1977 until further orders.

The 29th December 1977

Ref. 5/1/77/Estt. II/5296.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad hoc* basis as Administrative Officer II/ Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period From to
1	2	3	4
1.	Shri B. K. Swamy Asstt. Personnel Officer	Admn. Officer II	31-10-77 (FN) to 30-11-77 (AN)
2.	Shri S. K. Kapur Asstt. Personnel Officer	Admn. Officer II	1-11-77 (FN) to 9-12-77 (AN)
3.	Shri A. K. Katre Assistant	Asstt. Personnel Officer	31-10-77 (FN) to 30-11-77 (AN)
4.	Shri P. B. Karandikar Assistant	Asstt. Personnel Officer	2-11-77 (FN) to 9-12-77 (AN)

The 16th January 1978

Ref. No. 5/1/77/Estt.II/173.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri N. Balakrishnan, officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer on an *ad-hoc* basis in this Research Centre with effect from 28th November 1977 (FN) to 31st December 1977 (AN).

The 20th January, 1978

No. P/104/Estt. II/249.—On attaining the age of superannuation viz. 58 years, the following officials in the Bhabha Atomic Research Centre have retired from Government service on the afternoon of November 30, 1977 :

Sl. No.	Name & Designation	Permanent post held	C.C.No.
1	2	3	4
1.	Shri M. R. Pradhan Assistant Personnel Officer	Assistant Personnel Officer	G/102/26



1	2	3	4
2.	Shri C. Rajagopalan Assistant Personnel Officer.	Assistant Personnel Officer	G/102/135
3.	Shri E. P. Palamkote Security Officer	Security Officer	G/102/99

V. M. KHATU  
Dy. Establishment Officer.

Bombay-85, the 3rd February 1978

No. 5/1/77/Estt.II/427.—On transfer from Atomic Power Authority, Bombay, Shri VASANT RAGHUNATH REGE, (a permanent Accountant) has assumed charge as Asstt. Accounts Officer in the Bhabha Atomic Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 2, 1978 until further orders.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN  
Dy. Establishment Officer  
for Controller

Bombay-400085, the 22nd March 1978

Ref. No. 7(42)/77/Vig/331.—Order No. 7(42)/77/Vig/211, dated February 21, 1978, one copy each of which was sent by Registered Post to Shri J. P. N. Jha at his last known three addresses, having been returned undelivered, is published below :

Ref. 7(42)/77/Vig/211.—

The 21st February 1978

#### ORDER

WHEREAS it was alleged that

"Article I—Shri J. P. N. Jha, while functioning as Scientific Assistant 'A', Landscape & Cosmetic Maintenance Section, Bhabha Atomic Research Centre, has defied the orders as contained in BARC memorandum No. J/655/L&CM/Estt. VII/2358, dated April 12, 1977 changing his headquarters from Heavy Water Project site at Talcher to Trombay, Bombay by not reporting for duty to the Head, Landscape & Cosmetic Maintenance Section, Trombay, Bombay after availing of the usual joining time and thereby acting in an insubordinate manner.

"Article II—The said Shri Jha has remained unauthorisedly absent from duty from May 2, 1977 and continues to remain absent unauthorisedly thereby showing lack of devotion to duty."

AND WHEREAS the said Shri Jha was informed of the charges and of the action proposed to be taken against him under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, vide memorandum No. 7(42)/77/Vig/2172, dated May 23, 1977,

AND WHEREAS the said Shri Jha received the said memorandum on May 27, 1977, but failed to submit any statement on defence thereon,

AND WHEREAS on the basis of the inquiry held in accordance with the provisions of Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, the Inquiring Authority held the charges as proved and submitted its report accordingly.

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the report of the Inquiring Authority and the proceedings thereof agreed with the findings of the Inquiring Authority and held that both the articles of charge as proved and came to the provisional conclusion that the said Shri Jha was not a fit person to be retained in service and that he should be dismissed from service,

AND WHEREAS vide memorandum No. 7(42)/77/Vig/110, dated February 2, 1978, with which a copy of the

inquiry report was enclosed, the said Shri Jha was informed of the provisional conclusion as aforesaid and given an opportunity of making a written representation against the penalty proposed within fifteen days from the date of receipt of the said memorandum,

AND WHEREAS the envelope containing the said memorandum sent by Registered Post on the last known three addresses of the said Shri Jha were received undelivered,

AND WHEREAS the envelope containing the said memorandum with its enclosures was tendered to the said Shri Jha on February 9, 1978, by the Security Staff of BARC in the presence of three witnesses but the said Shri Jha refused to receive the same,

AND WHEREAS after considering the circumstances and records of the case the undersigned has come to the final decision that the proposed penalty of dismissal from service should be imposed on the said Shri Jha,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-rule (2) of Rule 12 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, read with Department of Atomic Energy's Order No. 22(1)/68/Adm., dated December 3, 1970, hereby dismisses the said Shri Jha from service with immediate effect.

T. C. SATHYAKERTHY  
Head, Personnel Division

Bombay-85, the 23rd March 1978

No. P/1078/Civil Engg/Estt.II/1233.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri Ambika Prasad. SO(SB) with effect from the afternoon of April 16, 1977.

Shri Ambika Prasad relinquished charge of his post on April 16, 1977 and was granted Terminal leave (terminal benefit) for 44 days from 17th April 1977 to 30th May 1977.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN  
Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 6th March 1978

No. PPED/4(710)/77-Adm.2782.—Consequent on his resignation having been accepted by the Director PPED, Shri V. K. Sharma, a temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB of the Power Projects Engineering Division, Department of Atomic Energy, relinquished charge of his post in this Division on the afternoon of 31st January 1978.

B. V. THATTE  
Administrative Officer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 24th March 1978

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Giridhari Mohanty as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 2nd, 1978 until further orders.

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Umamaheswar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of March 16, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION  
INDIAN METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 27th March 1978

No. E(I)07491.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. R. Loc, as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th January 1978 and until further orders.

Shri Loc is posted to the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

G. R. GUPTA  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 27th March 1978

No. A.35018/2/78-E.I.—In partial modification of this Department Notification No. A.35018/2/78-E.I., dated the 18th February 1978, the President is pleased to appoint Shri T. V. Rajeswar, IPS (AP : 1949) as Director, Civil Aviation Security and ex-officio Additional Director General, Civil Aviation Department, in the pay scale of Rs. 2500-125/2-2750 for a period of one year in the first instance with effect from the 18th January 1978 (Forenoon).

P. C. JAIN  
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL  
EXCISE

Patna, the 21st March 1978

C. No. II(7)1-ET/77-3302—In pursuance of this office Estt. order No. 300/77 dated 2-11-1977, as modified under Estt. order No. 327/77 dated 18-12-1977, the following Inspector on promotion to officiate as Superintendent Central Excise and Customs Group "B" have assumed charge as Superintendent Central Excise/Customs Group "B" in the Pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules at the places and with effect from the dates and hours as indicated against each :

Name of officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
(1)	(2)	(3)
1. Shri P. R. Sharma	Muzaffarpur-II Range	9-11-77 (A.N.)
2. Shri S. A. S. Hashmi	Superintendent Customs, Darbhanga.	31-1-78 (F.N.)

A. M. SINHA  
Collector,  
Central Excise, Patna

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 23th March 1978

No. E/55/III/90(O).—Shri Lakhi Ram, Officiating Senior Personnel Officer, Northern Railway is confirmed in the Class II service as Asstt. Personnel Officer with effect from 4th May 1975.

No. E/55/III/91 Pt. III(O).—Shri P. B. Murthy who was appointed as Assistant Officer on Probation in T(T) & C. Department of Superior Revenue Establishment is Confirmed in the Junior Scale with effect from 12th December 1977.

No. E/55/III/94/Pt.III(O).—Shri R. C. Bhandari, a Junior Scale Officer of the Civil Engineering Department is confirmed in the Senior Scale with effect from 1st December 1976.

No. E/283/III/143/PII(O).—Shri N. C. Sharma, Asstt. Commandant (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as Security Officer w.e.f. 21st July 1977.

No. E/283/129/PIII(O).—Shri A. N. Roy Chowdhury, DSK (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Controller of Stores w.e.f. 27th July 1977.

No. E/283/III/129/PIII(O).—Shri M. C. Bhattacharjee, ACOS (Class II) is appointed to officiate in senior scale as Senior Stores Officer w.e.f. 27th July 1977.

No. E/283/129/PIII(O).—Shri D. N. Dutta, Office Supdt. (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Controller of Stores w.e.f. 27th July 1977.

No. E/283/82/PXI(O).—Shri D. P. Bose, Asstt. Commercial Supdt. (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Senior Commercial Officer w.e.f. 3th August 1977.

No. E/283/129/PIII(O).—Shri N. K. Kundu, Asstt. Controller of Stores (Class II) is appointed to officiate in senior scale as District Controller of Stores w.e.f. 4th August 1977.

No. E/283/82/PXI(O).—Shri A. Tappo, II (Class III) is appointed to officiate in class II service as Asstt. Commercial Supdt. w.e.f. 11th August 1977.

No. E/283/30/PVI(O).—Shri S. M. Subramanian, Chiet Publicity Inspector (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Publicity Relation Officer w.e.f. 18th August 1977.

No. E/282/82/PXI(O).—Shri R. C. Das, ATS (Class II) is appointed to officiate in senior scale as DSO w.e.f. 24th August 1977.

No. ENO/AD/65/215/PIV.—Shri P. N. Vaid, Asstt. Account Officer (Class II) is appointed to officiate in senior scale as Traffic Costing Officer w.e.f. 30th August 1977.

No. E/283/30/Pt.VI(O).—Shri C. S. P. Sinha, Asstt. Personnel Officer (Class II) is appointed to officiate in senior scale as Divisional Personnel Officer w.e.f. 30th August 1977.

No. E/282/82/PEI(O).—Shri H. K. Bhattacharjee, AOS (Class II) is appointed to officiate in senior scale as Area Officer w.e.f. 31st August 1977.

No. E/283/82/PXI(O).—Shri C. P. Sharma, Sr. Law Assistant (Class III) is appointed to officiate in class II service as Asstt. Commercial Supdt. w.e.f. 1st September 1977.

No. E/283/III/54/PVII(O).—Shri S. K. Bardhan, SS (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt. Production Engineer w.e.f. 9th September 1977.

No. E/283/30/PVI(O).—Shri D. P. Mukherjee, C.I.WI (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Personnel Officer w.e.f. 24th September 1977.

No. E/283/82/PXI(O).—Shri S. C. Sen Gupta, CI (Class III) is appointed to officiate in class II service as Asstt. Commercial Supdt. w.e.f. 28th September 1977.

M. R. N. MOORTHY  
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
MAHARASHTRA

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. All Minerals (India) Private Limited

Bombay, the 20th March 1978

No. 9208/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. All Minerals (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Universal Equipments Private Limited*

Bombay-2, the 20th March 1978

No. 12611/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Universal Equipments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Penguin Electricals Private Limited*

Bombay-2, the 20th March 1978

No. 13184/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Penguin Electricals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. C.E.I. Electricals Industries Private Limited*

Bombay-2, the 20th March 1978

No. 14325/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. C.E.I. Electricals Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. New Haven Exports Private Limited*

Bombay-2, the 20th March 1978

No. 15637/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. New Haven Exports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Vijaya Bharati Publications Private Limited*

Bombay-2, the 20th March 1978

No. 17251/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vijaya Bharti Publications Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Polly Propellene Products (Private) Limited*

Bombay-2, the 20th March 1978

No. 17310/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Polly Propellene Products (Private) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE  
Asstt. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Shah Foundries Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1978

No. 1884/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

the name of M/s. Shah Foundries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Tulsi Builders Enterprises Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1978

No. 1962/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Tulsi Builders Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sanghvi Wire Industries Private Ltd.*

Ahmedabad, the 21st March 1978

No. 1976/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sanghvi Wire Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Special Bearings Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1978

No. 2163/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Special Bearings Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Tulsi Investment Gujarat Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1978

No. 2215/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Tulsi Investment Gujarat Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Luna Tubes Private Limited*

Ahmedabad, the 21st March 1978

No. 2486/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Luna Tubes Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Swashraya Benefit Private Limited*

Ahmedabad, the 22nd March 1978

NOTICE UNDER SECTION 445(2)

No. 1785/Liquidation.—By an order dated 13-2-1978 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in company Petition No. 33 of 1977 it has been ordered to wind up M/s. Swashraya Benefit Private Limited.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Family Relief Society Limited.*

Gwalior, the 22nd March 1978

No. 141-Tech./786.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Family Relief Society Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. R. BOHRA  
Registrar of Companies  
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Impearl Engineering & Chemicals Private*

Cuttack, the 22nd March 1978

No. S.O./495/7046(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Impearl Engineering & Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL  
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. P. N. M. Construction Private Limited*

Calcutta, the 27th March 1978

No. 22022/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. P. N. M. Construction Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Indian Commerce & Industries Private Limited*

Calcutta, the 27th March 1978

No. 8814/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three month from the date hereof the name of the M/s. Indian Commerce & Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH  
Asstt. Registrar of Companies  
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ferozpur Distt. Cloth Wholesellers' Association  
(Private) Limited*

Jullundur, the 23rd March 1978

No. G/Stat/560/1509/14098.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ferozpur Distt. Cloth wholesalers' Association (Private) Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ayy Enn Investments Private Limited*

No. G/Stat/500/3288/14100.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ayy Enn Investments Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Vibgyor Paints Private Limited*

The 27th March 1978

No. G/Stat/560/3367/14152.—Notice is hereby given pur-

suant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vibgyor Paints Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies  
Punjab, H. P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 18th March 1978

INCOME-TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

No. 1237.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the section 117 of the I. T. Act., 1961 (Act 43 of 1961), I, Shri S. T. Tirumalachari, Commissioner of Income-tax Bombay City I, Bombay, have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to officiate as Income tax Officers Class II with effect from the dates shown against their names and until further orders :—

S/Shri		
1. J. M. Adenwala	Inspector	28-12-77 (F.N.)
2. V. N. Tendolkar	"	29-12-77 (AN)
3. V. Venkataraman Iyer	"	28-12-77 (AN)
4. R. Raghavendra Rao	"	29-12-77 (AN)
5. P. S. Ramraje	"	29-12-77 (FN)
6. K. R. Choithani	"	28-12-77 (FN)
7. M. N. Joshi	"	29-12-77 (FN)
8. G. K. Talegaonkar	"	28-12-77 (AN)
9. R. S. Sabnis	"	29-12-77 (AN)
10. V. P. Kushe	"	29-12-77 (AN)
11. D. P. Malaviya	"	29-12-77 (AN)
12. Smt. N.L. Mantri	"	29-12-77 (F.N.)
13. P. C. Mulchandani	"	28-12-77 (F.N.)
14. H.M. Vachhani	"	27-12-77 (F.N.)
15. A.S. Prabhu	"	28-12-77 (F.N.)
16. D.N. Sajjani	"	28-12-77 (A.N.)
17. Smt. N. S. Chandiramani	"	30-12-77 (A.N.)
18. V. V. Keni	"	29-12-77 (F.N.)
19. V. H. Gangaramani	"	28-12-77 (F.N.)
20. K. H. Thandani	"	28-12-77 (F.N.)
21. N. D. Kadam	"	28-12-77 (F.N.)
22. S. G. Joshi	"	28-12-77 (A.N.)
23. S. K. Uchila	"	28-12-77 (F.N.)
24. Smt. S. R. Makhija	"	28-12-77 (A.N.)
25. J. P. Hariyani	"	28-12-77 (A.N.)
26. Smt. V. P. Damle	"	28-12-77 (A.N.)
27. L. T. Makhijani	"	29-12-77 (F.N.)
28. W. M. Pathai	"	29-12-77 (F.N.)
29. M. T. Nathani	"	29-12-77 (F.N.)
30. R. P. Joshi	"	28-12-77 (F.N.)
31. K. V. Gopi	"	30-12-77 (F.N.)
32. B. N. Panday	"	30-12-77 (F.N.)
33. K. A. Sathe	"	29-12-77 (F.N.)
34. A. K. G. Nair	"	29-12-77 (F.N.)
35. J. A. Patil	"	28-12-77 (F.N.)
36. Smt. Ammukutty Rajap- pan	"	29-12-77 (AN)
37. M. Subramanian	"	29-12-77 (FN)
38. K. N. Chandiramani	"	28-12-77 (FN)
39. R. G. Sharma	"	29-12-77 (AN)
40. M. A. Narayankar	"	28-12-77 (FN)
41. R. V. Shirsat	"	29-12-77 (FN)
42. B. G. Somkuvar	"	28-12-77 (FN)
43. S. K. Kamble	"	28-12-77 (FN)
44. P. D. Bondre	"	31-1-78 (FN)
45. A. B. Joshi	"	3-1-78 (AN)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad V dated 25-4-1975 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon the successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

S. T. TIRUMALACHARI

Commissioner of Income-Tax, Bombay City-1, Bombay.

appointment by transfer on deputation, Shri J. K. Malhotra, Assistant Programmer, Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, assumed the charge of the office of the Programmer in the Directorate of Organisation & Management Services (Income-Tax), New Delhi on the forenoon of 16-2-78.

DIRECTORATE OF O. & M. SERVICES

New Delhi, the 3rd March 1978

(INCOME TAX)

JAGDISH CHAND

Director

F. No. 36/9/78-AD/DOMS/1922.—On his selection for

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1978

Ref. No. RAC. No. 236/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-1-71/H situated at Ameerpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 7-7-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss P. Kavita,  
D/o P. S. Ram Mohan Rao,  
Represented by Sri P. S. Mohan Rao,  
H. No. 309 Railway Officers Colony,  
South Lallaguda, Secunderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri Golla Vasudeva Rao,  
H. No. 29-25-60 at Vemurivari Veedhi,  
Suryaraopet, Vijayawada-10.  
(Transferee)
- (3) Sri K. R. K. Murthy,  
H. No. 7-1-71/H at Plot No. 1  
Ameerpet, Hyderabad.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Life Insurance Corporation of India,  
(Housing Loan Dept.) Hyderabad.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 7-1-71/H situated at Plot No. 1 survey No. 44/1 Ameerpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1679/77 with the Sub-Registrar Khairatabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ahi Bhusan Sinha Roy.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamal Cold Storage (P) Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 29th March 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-40/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whccras, I, P. P. SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 512, J. L. No. 58, situated at Mouza Atghoria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalna on 29-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that piece and parcel of land measuring 14 bighas being plot No. 512, J.L. No. 58 in Mouza Aighoria, P.S. Kalna, District, Burdwan.

(As per Deed No. 5679 of 1977)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**P. P. SINGH**

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, IV,  
Calcutta,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-3-1978  
Seal:

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA**

Bhatinda, the 31st March 1978

Ref. No. 155/77-78/PHG.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devinder Singh s/o Shri Bishan Singh  
Banga Road, Phagwara  
Through Shri Tajinder Singh, Attorney.

(Transferor)

- (2) Shri Udham Singh s/o Shri Ujjagar Singh,  
Mohalla Sukhchain, Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 16 Kanals in Phagwara as mentioned in sale deed No. 1043 of September, 1977 registered with the Sub-Registrar, Phagwara.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 31-3-1978

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 31st March 1978

Ref. No. 154/77-78/PHG,—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara on August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devinder Singh s/o Shri Bishan Singh  
Banga Road, Phagwara  
(Transferor)
- (2) S/Shri Darshan Singh, Mohinder Singh  
Ss/o Shri Ujjagar Singh,  
Sukhchain Road, Phagwara.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanals in Phagwara as mentioned in sale deed No. 880 of August 1977 registered with the Sub-Registrar, Phagwara.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 31-3-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHATINDA

Bhatinda, the 31st March 1978

Ref. No. 153/77-78/PHG.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devinder Singh s/o Shri Bishan Singh  
Banga Road, Phagwara

(Transferor)

(2) Shri Hazara Singh s/o Shri Bhulla Singh,  
Sukhchain Nagar, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Kanals at Phagwara as mentioned in sale deed No. 909 of August, 1977 registered with the Sub-Registrar, Phagwara.

P. N. MALIK  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 31-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri V. G. Joshi,  
Hospet.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri B. Rangappa S/o Yekreppa,  
Hospet.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

SAVNUR BUILDING, DHARWAD-580004

Dharwad-580004, the 13th March 1978

Ref. No. 201/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwad, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 243-A, 244 & 245 situated at Ward No. IV, Main Road, Hospet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hospet under Document No. 396 on 13-7-1977 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The immovable property consisting a residential House bearing D. No. 243-A, 244 & 245 situated at Main Road leading to Railway Station, Hospet.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Yeshwantrao Chowgule,  
R/o Vasce-da-Gama (Goa).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Chowgule Real Estate and Construction Co.  
(P.) Ltd., Vasco. (Goa).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE,

SAVNUR BUILDING, DHARWAD-580004

Dharwad-580004, the 13th March 1978

Ref. No. 211/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwad, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sancoal Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vasco, under Document No. 138 on 14-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The immovable property consisting of Non-Agricultural land situated in Sancoal Village measuring area 142, 993.5 Sq. mtrs. The property known as "Bordas Godegally".

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwad.

Date : 13-3-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HUBLI

SAVNUR BUILDING, DHARWAD-580004

Dharwad-580004, the 13th March 1978

Ref. No. 212/77-78/ACQ.—Whereas, J. D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwad,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Land Registration No. 4181 Matriz 70 and 4182 Matriz 2441 situated at Luis Gomes Road, Marmugao.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Marmugao under Document No. 183 on 18-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14—26GI/78

- (1) 1. Shri Vasant Alias Anant Subray Joshi  
2. Smt. Prema alias Anandi Vasant Joshi  
R/o Swatantra Path,  
Vasco Da Gama (Goa)

(Transferor)

- (2) 1. Paresh Vasant Joshi  
2. Prashant Vasant Joshi  
3. Parag Vasant Joshi  
4. Pankaj Vasant Joshi  
5. Pushkar Vasant Joshi  
All residing at 'Anandi' Swatantra Path,  
Vasco-Da-Gama (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The immovable property known as 'Dando' land measuring 410 sqm. situated within the Municipal jurisdiction of Sub-district of Marmugoa-Goa.

D. C. RAJAGOPALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwad.

Date : 13-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6. the 15th March 1978

Ref. No. 3921/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25, 25,000/- and bearing No. S.F. No. 29/2A situated at Akkamma Naidu St., Tiruttani Town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tiruttani (Doc. No. 1612/77) on 5-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as fore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. K. Subburatnamma  
W/o Karnam Ramachandra Naidu  
Velandcherry village (Tiruttani Taluk).

(Transferor)

(2) Shri Chandrasekara Naidu;  
S/o Peram Munusami Naidu  
Manager, Indian Overseas Bank  
Kanakamma Chatram (Tiruttani Taluk).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

## THE SCHEDULE

Land and building situated at S.F. No. 29/2-A Akkamma Naidu Street, Tiruttani Town.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-3-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 15th March 1978

Ref. No. F.3926/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chitra Talkies, situated at (now known as Vidya Talkies) at Tambaram (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tambaram (Doc. No. 587/77) on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Chain Kavar Bai  
W/o Shri Ratanchand  
2. Shri Dayachand  
S/o Shri Ratanchand  
No. 19 North Crescent Road,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

- (2) 1. Shri SM. S. Manickam; and  
2. Shri SM. S. Muthappan  
Sons of Shri S. M. Swaminathan Chettiar  
No. 23 First Cross Street,  
Lake Area, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Survey No. 329/1A/1B (10 Grounds and 160 Sq. ft.) and Survey No. 329/1A/1A (1 Ground & 2050 Sq. ft.) situated at Kakkan Road, West Tambaram, Saidapet Taluk, Chingleput District. (Property known as Chitra Talkies (now known as Vidya Talkies) at Tambaram.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-3-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS-6, the 15th March 1978

Ref. No. 3942/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old Survey No. 88/1 situated at New Survey No. 88/3 Muthupettai Road, Nadiammalpuram village, Pattukottai Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Pattukottai—(Doc. No. 923/77) on 20-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri A. Lakshmana Vanathirayar;  
S/o Shri Arjuna Vanathirayar;  
Mayilpalayam  
Nadiammalpuram village,  
Pattukottai Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. V. Muthukannu  
W/o Shri R. Vijaykumar  
Ellaiamman Colony  
Vellala Teynampet  
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated at Old Survey No. 88/1, New Survey No. 88/3 Muthupettai Road, Nadiammalpuram village, Pattukottai Taluk.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-3-78

Sent :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX.ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS 6

MADRAS-6, the 15th March 1978

Ref. No. 3945/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 3876/2 situated at Survey No. 112/2 Tiruttanthoni village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Trichy (Doc. No. 1083/77) on 18-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Perumal  
No. 45 Kuruvayan Tank St.  
Fort, Trichy.

(Transferor)

- (2) 1. Shri V. K. Kumara Raja;  
2. Shri K. Thilakam  
Mela Valadi  
Lalguda Taluk  
Trichy District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 15675 sq. ft. bearing T. S. No. 3876/2. Survey No. 112/2 Survey Ward No. 3, Tiruttanthoni village.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 15th March 1978

Ref. No. 4382/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property as aforesaid exceeds the apparent consideration and bearing Plot No. 31 situated at Ramalinga Nagar II Layout, Coimbatore situated at Mahatma Gandhi Road, Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Coimbatore (Doc. No. 1563/77) on 27-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. R. Premalatha  
(Represented by Power Agent :  
Smt. Dhamayanthi Ammal,  
No. 1 Sir C. V. Raman Road,  
R. S. Puram, Coimbatore).

(Transferor)

- (2) Shri Shiv Kumar  
No. 22/11-A Kannuswamy Road,  
R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4437 Sq. ft. (with building) situated at Plot No. 31, II Layout, Ramalinga Nagar Cooperative House Building

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-3-78  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. N. Sundarambal  
W/o Shri R. Nataraja Mudaliar,  
No. 29/102 East Venkatasami Road,  
R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) M/s. T. Ponniah Chettiar & Sons  
(Represented by Partner T. Ponniah Chettiar)  
No. 25/587 K. K. Block  
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 15th March 1978

Ref. No. F.4383/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 11/102 situated at East Thiruvankatasami Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I Coimbatore (Doc. No. 1573/77) on 28-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 11/102 East Thiruvankatasami Road, R. S. Puram, Coimbatore, (T. S. No. 7/3203; 3204 and 3205).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-3-78

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6**

Madras-6, the 15th March 1978

Ref. No. F. 4386/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 2/1708 Part situated at Durghalala Street Side, Fort Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doc. No. 1569/77 JSR III Coimbatore on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Hafiz Bi;  
2. Zohra Bi;  
20/20 Old Market Road,  
Fort, Coimbatore. (Transferor)
- (2) 1. Shri A. M. Abdul Khader;  
2. Minor A. M. Mohamed Durwiah by  
Guardian Father T. M. Abdul Razak  
19/71 Subramaniaswamy Kovil St.  
Fort, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 5 Cents and 242 Sq. ft. (with building) situated at T.S. No. 2/1708 Part Durghalala Street, Fort, Coimbatore.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-3-78  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 17th March 1978

Ref. No. F. 4386/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 2/1708 Part, situated at Haji Ismail Rowther Street side, Fort Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1570/77) on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
15—26GI/78

- (1) 1. Hafiz Bi;  
2. Zohara Bi  
20/20 Old Market Road,  
Fort Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Smt. C. S. Iwa Bi  
W/o Shri T. M. Abdul Razak  
19/71 Subramaniaswamy Kovil St.  
Fort. Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 cents and 242 Sq. ft. (with building bearing T.S. No. 2/1708—Part situated at Haji Ismail Rowther Street side, Fort, Coimbatore.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-3-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. F. 3929/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 46.1 situated at (18 Cents) No. 206 Thiruvudavasal vattam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Koothanallur (Doc. No. 597/77) on 1-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Sabura Beevi Ammal  
W/o Shri Mohamad Yusuf  
Athikodai.

(Transferor)

(2) Smt. P. M. Jamjam Bivi  
W/o Shri P. M. Mohamad Miskeen  
Athikodai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 18 cents (with building) and bearing Survey No. 46-1 at No. 206 Thiruvudavasal vattam.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. S. Raman  
S/o Shri Sourirajan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Murugaiyan Chettiar  
S/o Shri Manickam Chettiar  
Vinobaji St.,  
Mannargudi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. 3930/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 2510, Ward No. 1 situated at Block No. , 46 Mannargudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. No. 1380/77) on 6-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing No. 2510 Ward No. 1, Block No. 46, Mannargudi.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. 3933/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

110, Eswaran Dharmaraja Kovil St. situated at Pondicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 860/77) on July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Duraiswami Reddiar;  
Shri N. Ramaswamy Reddiar; and  
Shri Subraya Reddiar @ Rangaswamy Reddiar  
Ramanathapuram village  
(Via) Thondamanatham  
Pin 605 502  
Villianur commune, Pondicherry State.  
(Transferor)

- (2) Monsieur TURGOT ALBERT  
5/95 Saint Sebastian Street  
Thiruvalluvar Nagar  
Pondicherry 605 001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 110 Eswaran Dharmaraja Kovil Street, Pondicherry.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Miss Amilia Morton  
No. 44 Beber Road  
Tiruchirapalli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Trichy Hotel Proprietor's Association  
No. 443 Big Bazaar St.  
Tiruchirapalli.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. F. 3938/July/77.—Whereas, I, K. KONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 13-G situated at Town Survey No. 160 Ward No. 1, Williams Road, Trichy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR J Trichy (Doc. No. 1416/77) on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 13-G T.S. No. 160, Ward No. 1, Williams Road, Tiruchirapalli.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. F. 5680/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 4871/1 Part situated at No.

1, Venkatarama Iyer St. T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1 Madras North (Doc. No. 1797) on July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Kanniammal  
W/o Shri Kali Mudaliar  
2. Smt. Kannamal @ Kanniammal  
W/o Shri Kali Mudaliar  
Tank Street, Chunampet,  
Madurantakam Taluk  
Chingleput Dt.

(Transferor)

- (2) Smt. Labh Kavur Bai  
W/o Shri M. Ratan chand chordia  
No. 101 Mint St.  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1. Land admeasuring 4320 Sq. ft. (with building) bearing T.S. No. 4871/1 Part, Block No. 113, Door No. 1 Venkatarama Iyer St., Madras-17; and
2. Land admeasuring 2 Grounds and 750 Sq. ft. bearing T.S. No. 4871/1 Part, Block No. 113.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6. the 27th March 1978

Ref. No. F. 5680/July/77.—Whereas I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 Venkatarama Iyer St., situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 1798) on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kanniammal  
W/o Shri Kali Mudaliar  
2 Smt. Kannammal @ Kanniammal  
W/o Shri Kali Mudaliar  
Tank Street, Chunampet,  
Madurantakam Taluk, Chingleput Dt.

(Transferor)

- (2) Smt. Nirmal Kumar  
W/o Shri Gyan Chand Chordia  
101 Mint St.  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Grounds and 1740 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 1, Venkatarama Iyer Street, T. Nagar, Madras-17.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. F. 5706/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-B Josier Street, situated at Madras 600-034 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Madras) (Doc. No. 453/77) on 11-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri B. K. Sreenivas,  
S/o B. S. Kesava Rao,  
C/o Hydraulics Ltd.,  
No. 29 Mount Road,  
Madras-600 002.
  2. Mrs. Brinda Udaya Kumar,  
W/o Mr. Udaya Kumar;
  3. Miss Hemalatha K. Rao,  
D/o Shri B. S. Kesava Rao.
  4. Mrs. Radha Ranjit Naidu,  
W/o Shri Ranjit Naidu  
(Represented by her Power of Attorney Agent—  
B. K. Sreenivas); and
  5. Mrs. Vasanthi Sithasanan,  
W/o Shri N. Sithasanan  
(Represented by her Power of Attorney Agent  
Miss Hemalatha K. Rao).
- (2) Smt. Charulata V. Barai,  
W/o Shri Babulal C. Barai and  
Smt. Kokila K. Barai,  
W/o Shri Kishore C. Barai  
No. 9-B Josier Street,  
Dr. Thirumurthy Nagar,  
Madras 600 034.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds and 61 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 9-B Josier Street (Extension of Dr. Thirumurthy Nagar) Nungambakkam, Madras 600 034.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. F.5719/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 127 Royapattah High Road situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 606/77) on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—26QI/78

(1) 1. Shri T. V. Rajagopalan  
No. 4 Anandapuram,  
Dr. Rangachari Road  
Mylapore, Madras-4 and

2. Shri R. Srinivasan

(Transferor)

(2) Shri K. Satchidananda Iyer  
S/o Shri Krishnaswamy Iyer  
Putheshathu Colony  
Dewan's Road, Ernakulam,  
Cochin-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 7200 Sq. ft. (with building) and bearing New Door No. 127 Royapettah High Road, Mylapore, Madras. (R.S. No. 1701/2).

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978

Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-6

Madras-6, the 27th March 1978

Ref. No. F. 5740/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6850 Sq. ft. in III Floor situated at No. 5 Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 508/77) on 26-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Murugesu Naicker  
No. 1 First Link St.,  
CIT Colony, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri S. M. Mushudeen  
by mother and guardian M. Hatoom Bivi  
Beach Street  
Arangakudi  
Mayavaram Taluk  
Thanjavur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in land—7 Grounds and 1990 Sq. ft. at Plot Nos. 11 and 12, L.A. No. 9/1974 and carpet area of 6850 Sq. ft. in III Floor, No. 5 Greams Road, Madras-6.

K. PONNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-3-1978  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th January 1978

Ref. No. P.R. No. 541Acq.23-968/19-8/77-78.—  
Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 329, Ward No. 13, situated at Arogya Nagar, Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 28-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhirajlal Khetsibhai Shah;  
Mahidharpura, Vania Sheri,  
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Purshottambhai Tulsibhai Patel,  
Arogyanagar, Amizarana,  
Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 329, Plot No. A in Ward No. 12, situated at Arogya Nagar, Athwa Lines, Surat admeasuring 343 sq. yds. as described in the sale deed registered in the month of July, 1977 under registered No. 1478, by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 12-1-1978.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P.R. No. 536 Acq.23-1035/6-1/77-78.—  
Whereas, I, D. C. GOEL,  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
One Flat No. 3-B, Alkapuri Shopping Centre,  
situated at Vishwas Colony, R.C. Road, Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Baroda in August, 1978  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the ob-  
ject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and  
or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) M/s. A. M. Patel & Co.,  
205, Yashkamal Bldg., Station Road,  
Baroda-5.

(Transferor)

(2) Dr. Rameshbhai Manubhai Patel;  
Power of Attorney Holder,  
Dhirajben Manubhai Patel,  
22, Vishwas Colony, Race Course Road,  
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property being Flat No. 3-B, situated at Alka-  
puri Shopping Centre, Vishwas Colony, Race Course Road,  
Baroda measuring 1120 sq ft, as described in the sale  
deed registered under registration No. 2224 in the month of  
August, 1977 by registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2-3-1978  
Seal :



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd March 1978

Ref. No. P.R. No 557 Acq.23-1036/19-7/77-78.—  
Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631—A paiki No. 317 paiki Block No. 8, situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Surendra Thakorlal Thakor;
2. Smt. Prangauri Surendra Thakor;  
Both at 5, Gujarat Society,  
Ahmedabad-7.
3. Sureshchandra Thakorlal Thakor,
4. Ketakiben Sureshchandra Thakor;
5. Pranav Sureshchandra Thakor;  
No. 3, 4 & 5 at 56, Pritamnagar Society,  
Ahmedabad-6.
6. Arvindaben d/o Thakorlal A. Thakor,  
Calcutta.  
P.A. Holder : Harshidaben  
D/o Thakorlal A. Thakor,  
Wadi Falia, Surat.
7. Harshidaben  
D/o Thakorlal A. Thakor;  
Wadi Falia, Surat.
8. Ushaben  
D/o Thakorlal A. Thakor;  
Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Ishverlal Chandula;  
Chakawala's Sheri,  
Wadi Falia,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki Nondh No. 317 paiki Block No. 8, admeasuring 74-2 sq. Yds. and situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat as described in the sale-deed registered under registration No. 1321 in the month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd March, 1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd March 1978

Ref. No. P.R. No. 558Acq.23-1036/19-7/77-78.—

Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631—A paiki No. 317 paiki Block No. 8, situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Surat in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Surendra Thakorlal Thakor;  
2. Smt. Prangauri Surendra Thakor;  
Both at 5, Gujarat Society,  
Ahmedabad-7.
3. Sureshchandra Thakorlal Thakor;  
4. Ketakiben Sureshchandra Thakor;  
5. Pranav Sureshchandra Thakor;  
No. 3, 4 & 5 at 56, Pritamnagar Society,  
Ahmedabad-6.
6. Arvindaben d/o Thakorlal A. Thakor,  
Calcutta.  
P.A. Holder : Harshidaben  
D/o Thakorlal A. Thakor,  
Wadi Falia, Surat.
7. Harshidaben  
D/o Thakorlal A. Thakor;  
Wadi Falia, Surat.
8. Ushaben  
D/o Thakorlal A. Thakor;  
Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Ishverlal Chandulal;  
Chakawala's Sheri,  
Wadi Falia,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki Nondh No. 317 paiki Block No. 6, admeasuring 31 sq. yds. and situated at Chakawala Sheri, Wadi Falia, Surat as described in the sale deed registered under registration No. 1317 in the month of July, 1977 by the registering Officer Surat.

D. C. GOEL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 2nd March, 1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 2nd March 1978

Ref. No. P.R. No. 559 Acq.23-1036/19-7/77-78.—  
Whereas, I, D. C. GOEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631—A paiki No. 317  
paiki Block No. 3, situated at Chakawala's Sheri, Wadi  
Falia, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat in July, 1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Surendra Thakorlal Thakor;  
2. Smt. Prangauri Surendra Thakor;  
Both at 5, Gujarat Society,  
Ahmedabad-7.  
3. Sureshchandra Thakorlal Thakor;  
4. Ketakiben Sureshchandra Thakor;  
5. Pranav Sureshchandra Thakor;  
No. 3, 4 & 5 at 56, Pritamnagar Society,  
Ahmedabad-6.  
6. Arvindaben d/o Thakorlal A. Thakor,  
Calcutta.  
P.A. Holder : Harshidaben  
D/o Thakorlal A. Thakor.  
Wadi Falia, Surat.  
7. Harshidaben  
D/o Thakorlal A. Thakor;  
Wadi Falia, Surat.  
8. Ushaben  
D/o Thakorlal A. Thakor;  
Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Ishverlal Chandulal;  
Chakawala's Sheri,  
Wadi Falia,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki Nondh No. 317 paiki Block No. 5, situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat admeasuring 39.06 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 1315 registered in the month of July 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd March, 1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1978

Ref. No. Acq.23-I-1386(636)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 451, Plots paiki Plot No. 38 situated at Kalawad Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 4-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Dr. Ramanbhai Suryashankar Vadiya,  
Tinnmurti, 27th Road, Khar,  
Bombay-52.

(Transferor)

(2) 1. Shri Babulal Jivrajibhai Maru,  
Punitnagar Society, Main Road,  
Rajkot.

2. Shri Chhaganlal Jivrajibhai Maru,  
15, Bhagati Nagar,  
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 355-1-0 sq. yds. bearing S. No. 451 plots paiki No. 38 situated at Kalawad Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn No. 1707/77, dated 4-7-1977.

**S. C. PARIKH**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Ramanbhai Suryashankar Vaidya,  
Tinnmurti, 27th Road, Khar,  
Bombay-52.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Maganlal Premjibhai Parmar,  
Pujara Plot, Behind Sheth High School,  
Near Bhaktinagar, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

No. Acq. 23-I-1385(637)/16-6/77-78.—Whereas, I,  
S. C. PARIKH  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
S. No. 451, Plots paiki Plot No. 38  
Kalavad Road, Rajkot  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
Registration Act (16 of 1908) in the office of the  
registering officer at  
has been transferred under the  
Rajkot on 4-7-1977

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 311.6 sq. yds. bear-  
ing S. No. 451, Plots Paiki No. 38, situated at Kalavad  
Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed regis-  
tered vide Regn. No. 1706/77, dated 4-7-1977.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

17-—26GI/78

Date : 3-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. SGR/16/77-78/.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 50 Kanals with 1/5th share in Well, situated at Village Badrukhan, Tehsil Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puran Singh s/o Shri Gajjan Singh Jat, Village & Post Office Badrukhan, Tehsil Sangrur.

(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Rai s/o L. Jethu Ram, Kilm Contractor, Village Badrukhan, Tehsil Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 50 Kanals, situated in Village Badrukhan, Tehsil Sangrur, alongwith 1/5th share in well.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 901/ July, 1977 of the Registering Officer, Sangrur).

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th March 1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Pala Singh son of Shri Gurdit Singh  
R/o Village, Rahoun,  
Tehsil Khanna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. KNN/11/77-78/.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 38 Kanal 13 Marla situated at V. Rahoun, Tehsil Khanna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khanna in July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S/Shrimati  
(2) 1. Gurmit Kaur w/o Shri Balbir Singh  
2. Balwant Kaur w/o Amar Singh  
3. Kuljit Kaur w/o Harjit Singh  
4. Inder Kaur wd/o Puran Singh  
Residents of Village Rahoun,  
Tehsil Khanna.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 Kanal 13 Marla situated at V. Rahoun Teh. Khanna.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 704 of July, 1977 of the Registering Officer, Khanna).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th March 1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. LDH/153/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. B-VI/106 (Old) and B-IX-S-1/336 (New) measuring 237 sq. yds. situated at Ganji Chhapri, Chauri Sarak, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Jhangi Ram s/o Nautan Dass  
R/o O/64, Chawala Niwas, Lajpat Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sadhu Ram  
Shri Ramji Dass sons of Shri Hukam Chand  
Shri Jagan Nath son of Shri Ramji Dass  
R/o 1351, Ganji Chapri, Chauri Sarak,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-VI/106 (Old) and B-IX-S-1/336 (New) measuring 237 sq. yds. situated at Ganji Chhapri, Chauri Sarak, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1204 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th March 1978

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,  
OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. SNM/38/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 93 Kanal 0 marla situated at Village Gobindgarh Jajian, Tehsil Sunam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sunam in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jathedar Dial Singh Chela Baba Chet Singh, Mukhtiar-a-am, Talwandi Saboo.

(Transferor)

(2) Shri Baj Singh S/o Shri Mahla Singh, R/o Village Gobindgarh Jajian.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 93 kanal situated at Village Gobindgarh Jajian, Tehsil Sunam.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1354/ July, 1977 of the Registering Officer, Sunam.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. LDH/151/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 44D measuring 976 Sq. yds. situated at Sarabha Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charnjit Singh Sandhu Advocate  
S/o Shri Iqbal Singh,  
R/o 608-R Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri  
(i) Ujagar Singh S/o Shri Waryiam Singh,  
(ii) Varinder Singh S/o Shri Ujagar Singh,  
R/o 13-J Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later :
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 44.D. measuring 976 Sq. yds. situated at Sarabha Nagar, Ludhiana.  
(Property as mentioned in the registered Deed No. 1176 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. LDH/172/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2A measuring 400 Sq. yds. situated at Industrial Area 'A' Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in August, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri  
(i) Satpal  
(ii) Inder Mohan  
Ss/o Shri Kharatti Ram  
(iii) Raj Rani w/o Shri Satpal  
(iv) Usha Rani w/o Shri Inder Mohan,  
R/o 87 F Atam Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Balbir Kaur w/o Shri Santokh Singh Johal  
2-A, 1A-A, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2A, measuring 400 Sq. yds. situated in Industrial Area 'A' Ludhiana.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1580 of August, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. LDH/171/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2B, measuring 400 sq. yds. situated at Industrial Area 'A' Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri
  - (i) Narinder Mohan
  - (ii) Surinder Mohan
  - Ss/o Shri Kharaiti Ram
  - (iii) Chand Rani w/o Shri Surinder Mohan
  - (iv) Pushpa Watti w/o Shri Narinder Mohan
  - R/o 87F, Atam Nagar, Ludhiana.
 (Transferor)
- (2) Shri Santokh Singh Johal S/o Shri Jarnail Singh  
R/o 2-B, 1A-A, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2 B, measuring 400 Sq. yds. situated at Industrial Area 'A' Ludhiana.  
(Property as mentioned in the Registered Deed, No. 1579 of August, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. PTA/1/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the said Act) have reason to be-  
lieve that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 16 Kanals and 6 Marlas situated a Village  
Sanaur, Tehsil Patiala,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at

Patiala, in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefore by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

18—26GI/78

(1) Shri Puran Singh S/o Shri Bhagwan Singh  
R/o Mohalla Timbuan Wala Village Sanaur Tehsil,  
Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar S/o Shri Atma Ram  
C/o Pawan Kumar,  
Ved Parkash, contractors,  
Bhawaniagarh (Patiala).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act',  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanals situated in Village Sanaur  
Tehsil Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 7012  
of September, 1977 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.

Seal :

FORM INS----

- (1) S/Shri  
 (i) Puran Singh S/o Shri Bhagwan Singh  
 (ii) Kulbir Singh } S/o Shri  
 (iii) Tarlochan Singh } Puran Singh  
 (iv) Sarbajit Singh }  
 R/o Mohalla Timbuan Wala  
 Village Sanuar, Tehsil Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Ved Parkash S/o Shri Atma Ram  
 C/o Pawan Kumar, Ved Parkash, Contractors,  
 R/o Bhawanigarh (Patiala)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
 BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. PTA/39/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 32 Kanals situated at Village Sanuar, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 32 Kanals situated in Village Sanuar  
 Tehsil Patiala.  
 (Property as mentioned in the Registered Deed No. 3013 of September, 1977 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.  
 Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. PTA/40/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 8 Kanals situated at Village Sanaur, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri  
(i) Kulbir Singh } Ss/o Shri Puran Singh  
(ii) Tarlochan Singh }  
R/o Mohalla Timbuan Village Sanaur Tehsil Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar S/o Shri Atma Ram  
C/o Pawan Kumar, Ved Parkash, Contractors,  
R/o Bhawani Garh (Patiala).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanal situated in Village Sanaur Tehsil, Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3014 of September, 1977 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Iqbal Singh S/o Shri Sunder Singh,  
R/o 233, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yogesh Chander Munjal, S/o  
Shri Satya Nand Munjal  
R/o 46-Atam Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. LDH/212/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 46, Atam Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ludhiana in October 1977,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 46, Atam Nagar, Ludhiana.  
(Property as mentioned in the registered deed No. 2255 of October, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th March 1978.

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. IDH/154/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of double storeyed shop-cum-office building No. B-VII/13/1, situated at Chaura Bazar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ludhiana in July, 1977

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem Singh, S/o Shri Atma Singh,  
C/o Panjab Residence Centre,  
Vill Bye Pass Chowla, Ludhiana

(Transferor)

- (2) S/Shri  
(i) Jagmohan Singh,  
(ii) Gurcharan Singh,  
(iii) Harjit Singh,  
(iv) Jaspal Singh,  
Ss/o Harnam Singh,  
C/o Dasmesh Silk Store, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of the double storeyed shop-cum-office building No. B-VII/13/1, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1241 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th March 1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S. Sarwan Singh S/o Nagina Singh  
R/o Nagina House Annexee, The Mall Simla.

(Transferor)

(2) Shri Ram Saran Bakshi S/o Shri Bardu Ram  
C/o National Book Depot,  
The Mall, Simla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. SML/39/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property known as Nagina Singh House Annexee Top story alongwith extended Roof situated at Station Ward, Simla. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property known as Nagina Singh House Annexee Top Storey alongwith extended roof situated in Station Ward Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 556 of October 1977 of the Registering Officer, Simla).

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th March 1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Wadhawa Ram S/o Shri Sidhu Ram,  
R/o Sunder Nagar, Rahon Road,  
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

(2) Shri Gurbax Singh S/o Niranjan Singh,  
Naib Tehsildar, Kharar,  
Distt. Rup Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. LDH/135/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1141/1 B-XXV measuring 150 Sq. yds.  
situated at Rahon Road, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ludhiana in July, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 1141/1 B-XXV measuring 150 Sq. yds. situated  
in Rahon Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered Deed No. 1067  
of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 15th March 1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Captain Bhai FatehJang Singh,  
S/o Bhai Jabarjang Singh,  
R/o Sidhuwal Lodge, Simla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. SML/217/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot of land measuring 200.5 sq. yds. (Khasra No. 445-I-B)  
situated at Sidhuwal Lodge, Jakhoo, Station Ward, Bara  
Simla,

(and more fully described in the  
schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
Simla in July 1977

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid prop-  
erty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the trans-  
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

(2) S/Shri  
(i) Ram Singh, S/o Naudha Ram,  
(ii) Sudershan Singh S/o Ram Singh,  
(iii) Yash Pal Rana, S/o Ram Singh,  
R/o 108-Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 200.5 sq. yds. (Khasra No.  
445-I-B), situated at Sidhuwal Lodge, Jakhoo, Station Ward,  
Bara Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 369  
of July, 1977 of the Registering Officer, Simla.)

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15th March 1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sawaran Lata Kuthiala W/o  
Shri Hari Krishan Kuthiala,  
R/o Bhagwati Villa Simla. (H.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Khem Chand Aggarwal, S/o  
Shri Ram Chander Dass Aggarwal,  
R/o 140-Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. SML/35/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Share in 7 storeyed Building situated at Lower Bazar, Simla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in October, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—26G1/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in 7 storeyed bearing Khasra No. 450/451 situated in Lower Bazar, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 527 of October, 1977 of the Registering Officer, Simla.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. SML/28/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5th share in building No. 135, situated at Lower Bazar, Simla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in July, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nirmala Devi Wd/o  
Shri Balak Ram Sood,  
R/o 135 Lower Bazar, Simla.

(Transferor)

- (2) Shri Ramesh Chand Aggarwal S/o  
Shri Mam Raj Aggarwal C/o  
M/s Mam Raj Ramesh Chand,  
R/o 135 Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th Share in building situated in 135, Lower Bazar, Simla (Khasara No. 413).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 377 of July, 1977 of the Registering Officer, Simla.)

NATHU RAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. LDH/158/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,being the Competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-  
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Kothi No. 119-R, situated at Model Town, Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said Instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) S/Shri  
(i) Partap Singh  
(ii) Harbhajan Singh  
(iii) Darshan Singh } s/o Shri Sunder Singh  
R/o 115-L, Model Town, Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Sood W/o  
Shri Satish Chander Sood  
R/o Kothi No. 119-R, Model Town, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 119-R, situated at Model Town, Lu  
(Property as mentioned in the Registered Deed  
of July, 1977, of the Registering Officer, Ludhi

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.  
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th March 1978

Ref. No. LDH/R/57/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 47 Kanal 7½ Marlas (being 14th share in the land measuring 189 Kanal 10 Marlas) situated at Village Banker Dogran, Teh. Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in July, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Chanda Singh S/o Shri Sunder Singh,  
R/o Village, Khanpur Tehsil on Distt. Ludhiana.  
(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi D/o Shri Chanan Ram,  
R/o 68 Green Park, Civil Lines, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 Kanal 7½ Marlas (being 14th share in the land measuring 189 Kanal and 10 marlas) situated in Village Banker Dogran Teh. & Distt. Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2925 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15th March 1978.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd March 1978

Ref. No. RPN/32/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 29 Karnals 18 Marlas, situated at Mauja Rampur Teh. Roop Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roopnagar, in July, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Deeko Wood & Boards (Pvt) Ltd.  
Morinda Teh. & Distt. Roop Nagar. (Transferor)
- (2) M/s Kitch Comfs Pvt. Ltd.  
Morinda Tehsil & Distt. Roop Nagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 29 Kanals 18 Marlas situated in Mauja Ram Pur Teh. & Distt. Roop Nagar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1340 of July, 1977 of the Registering Officer, Roop Nagar.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22-3-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd March 1978

Ref. No. LDH/137/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion House No. BXV-70-71, measuring 66 Sq. yds. situated at B.T. Road, Millarganj, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

(1) Shri Gurdev Singh S/o Shri Bakshish Singh,  
R/o Mahsumpur Tehsil Phillaur,  
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash S/o Shri Puran Chand  
C/o Gupta & Sons,  
R/o G.T. Road, Millarganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion House No. B XV-79-71 measuring 66 Sq. yds. situated in G.T. Road, Millar Ganj, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 182 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd March 1978

Ref. No. IDH/138/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion House No. BXV-70-71, measuring 66 Sq. yds. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer situated at B.T. Road, Millarganj, Ludhiana, Ludhiana in July, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurdev Singh S/o Shri Bakshish Singh,  
R/o Mahsumpur Tehsil Phillaur,  
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Gupta S/o Shri Ranbir Gupta,  
R/o 57, Club Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion House No. B XV-79-71 measuring 66 Sq. yds. situated in G.T. Road, Millar Ganj, Ludhiana.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1083 of July, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 22-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Surinder Kumar  
S/o Shri Mangat Ram Mithoo  
R/o 104 JJ/EB, Nangal Township  
Distt. Roop Nagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Thakur Dass  
R/o 106-Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd March 1978

Ref. No. SML/16/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ground Floor, First Floor and second Floor of No. 106, Lower Bazar, Simla situated at Lower Bazar, Simla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Ground Floor, First Floor and Second Floor of No. 106, Lower Bazar, Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 326 of July, 1977, of the Registering Officer, Simla.)

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 22nd March 1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd March 1978

Ref. SML/17/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Third and Fourth Floor of No. 93, The Mall, Simla, situated at The Mall, Simla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Simla in July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—26G1/78

(1) Shri Surinder Kumar  
S/o Shri Mangat Ram Mithoo  
R/o No. 104 JJ/EB, Nangal Township  
Distt. Roop Nagar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vijay Kumar } sons of Shri  
2. Shri Rajinder Kumar } Thakur Dass  
Resident of 106 Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

(3) S/Shri Amar Nath, Ratna Devi, Ram Vilas Kishori Lal etc.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Third and Fourth Floor of No. 93, The Mall Simla situated in Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 327 of July, 1977 of the Registering Officer, Simla).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 22th March 1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Supreme Plastico Private Limited,  
6/13, Industrial Area, Keerti Nagar,  
New Delhi-110015 through Shri Panna Lal Agarwal  
S/o Parshottam Das Agarwal  
Managing Director of the Company

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th December 1977

Ref. No. Acq/866-A/G. Bad/77-78/5900.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 4-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(2) M/s. S. J. Jindal Trust,  
1202, Shantala 11 State, Rajaji Nagar,  
Bangalore-560010 through Shri Pahlad Rai Gupta  
S/o Gopi Ram Gupta Trustee,  
R/o H. No. 5, Lajpat Nagar First,  
New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of factory building situated at Anand Industrial Estate, G. I. Road, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,10,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-12-1977

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Ram Pyari W/o Ramdittamal  
10/4, Gandhi Colony, Muzaffarnagar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Rama Bhasin W/o Nand Kumar  
93, Gher Khattiyan, Nai Mandi, Muzaffarnagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 31st Decembtr 1977

Ref. No. Acq/770-A/M.Nagar/77-78/6524.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Muzaffarnagar on 18-7-1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

House Property No. 93, Gher Khattiyan, Nai Mandi  
Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of  
Rs. 35,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Roshan Lal Bhatia,  
47-A, Factory Area, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chotey Lal Sachan s/o Babu Ram Sachan  
Chhotey Lal s/o Umrao,  
Ram Kumar Sachan s/o Chotey Lal Sachan,  
107/270, Bramh Nagar, Kanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th January 1978

Ref. No. Acq/947-A/KNP/77-78/7109.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to  
believe that the immovable property having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Kanpur on 11-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 111/466, forming part of H. No. 111/445, Rani-  
ganj, Kanpur, transferred for an apparent consideration of  
Rs. 59,550/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-1-78

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Cawnpore Kapra Committee,  
Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri Pramod Kumar, Vinod Kumar, Anand  
Kumar, Rajesh Kumar and Pawan Kumar,  
Resident of 56/62, Kahoo Kothi,  
Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immove-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq/934-A/Kanpur/77-78/7405.—Whereas, I,  
R. P. BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Kanpur on 4-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House bearing No.  
56/62, situated at Kahoo Kothi, Kanpur, transferred for  
an apparent consideration of Rs. 2,00,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 24-1-78

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th February 1978

Ref. No. Acq/935-A/KNP/77-78/7645.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri Kamal Kumar Kapur  
S/o Late Ram Lal Kapur  
R/o Beach House, Flat,  
Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Mansingh,  
R/o Hariharganj, Fatehpur,  
Present Address : 15/295, Civil Lines,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storied building bearing No. 15/238, Civil Lines, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-2-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR,III/98/July-I(18)/77-78/6214.—  
Whereas, I, J. S. GILL,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-223 situated at Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Akhil Parkash Garg,  
S/o Shri Om Parkash Garg,  
Smt. Sarla Garg w/o Shri O. P. Garg,  
R/o B-4/2, Multi Storey Building,  
Sector 13, R. K. Puram,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. M. M. International Pvt. Ltd.  
Through its Managing Director  
Shri Parkash Chander Mehta,  
S/o Shri Gopal Dass Mehta,  
R/o 41, Kailash Apartment,  
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A leasehold of plot of land measuring 400 sq. yds. bearing No. 223 in Block 'B' situated at Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi and as under :—

East : Open land 20' wide  
West : Road 80' wide  
North : Plot No. 224  
South : Plot No. 226

J. S. GILL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-3-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 30th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.II/89/July-II(15)/77-78/6214.—  
Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

N-194 situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Ceat Tyres of India Ltd.,  
Through Shri Rustom Feroze Boga,  
General Manager (Admn.),  
R/o 463, Dr. Annie Besant Road, Worli,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri P. K. J. Menon,  
s/o Late Shri P. K. K. Iyer and  
Smt. Leela Menon w/o Shri P. K. J. Menon,  
R/o N-194, Greater Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A plot of land measuring 294 sq yds. (246.62 sq mts.) bearing No. 194, Block No. 'N', situated in the residential colony known as Greater Kailash, New Delhi, in the Revenue Estate of Yaqutpur, Delhi State and bounded as under :—

East : Property No. N-196  
West : Property No. N-192  
North : Service Road  
South : Road

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 30-3-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. Man Mohan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanhhaiya Lal Shastri.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 8th March 1978

Ref. No. K-79/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

89 Nazar Bagh, Lucknow situated at Nazar Bagh, Lucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 18th July 1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. 89 measuring about 2000 sqr. fts. situated at Nazar Bagh, Lucknow.

And

All that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G entered in the office of the sub-registrar, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-3-1978

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1978

New Delhi, the 15th April 1978

No.F.2/77-E.I.(B).—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on 8th August, 1978 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 15th April, 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (Sec Annexure para 11).

2. Recruitment in the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories—

Category I — Civil Engineering

Category II — Mechanical Engineering

Category III — Electrical Engineering

Category IV — Electronics and Telecommunication Engineering

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below :—

## Category I—CIVIL ENGINEERING

## Group A Services/Posts

- |   |  |
|---|--|
| (i) Indian Railway Service of Engineers;  | 16**   |
| (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);                         | @  |
| (iii) Central Engineering Service   | 20 (includes 3 vacancies reserved for S. C. and 1 reserved for S.T. candidates)  |
| (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre)                            | 40 (includes 12 vacancies reserved for S. C. and 8 reserved for S.T. candidates) |
| (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Civil Engineering Posts); | 1  |
| (vi) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts);                     | 20 (includes 3 vacancies reserved for S.C. and 2 reserved for S.T. candidates).  |
| (vii) Central Engineering Service (Roads)   | 1  |
| (viii) Assistant Executive Engineer (Civil), (P & T Civil Engineering Wing);          | 15**   |
| (ix) Assistant Executive Engineer—(Civil), Border Roads Engineering Service.          | *  |

## Group B Services/Posts

- |  |   |
|--|---|
| (x) Assistant Engineer (Civil) P & T Civil Engineering Wing;                       | 50**  |
| (xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio; | 4 (includes 2 vacancies reserved for S.T. candidates) |

Category II—MECHANICAL ENGINEERING  
Group A Services/Posts

- |   |   |
|---|---|
| (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;   | 10**  |
| (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);                                | @   |
| (iii) Indian Supply Service (Mechanical Engineering Posts);                                       | 1   |
| (iv) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);                            | 5 (includes 1 vacancy reserved for SC. candidates)                                |
| (v) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);                             | 10 (includes 3 vacancies reserved for S.C. and 1 reserved for S.T. candidates)    |
| (vi) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts); | 15 (includes 5 vacancies reserved for S.C. and 2 reserved for S.T. candidates).   |
| (vii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);      | 14 (includes 4 vacancies reserved for S. C. and 2 reserved for S. T. candidates)  |
| (viii) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts);                              | 3 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates)                               |
| (ix) Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India;                              | *   |
| (x) Assistant Drilling Engineer in the Geological Survey of India;                                | *   |
| (xi) Assistant Manager (Factories) (P & T Telecom. Factories Organisation);                       | 1   |
| (xi) Assistant Executive Engineer (Mechanical), Border Roads Engineering Service;                 | *   |
| (xiii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;                    | 11 (includes 3 vacancies reserved for S. C. and 1 reserved for S. T. candidates). |
| (xiv) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);       | *   |

## Group B Services/Posts

- |   |   |
|---|---|
| (xv) Assistant Mechanical Engineer, in the Geological Survey of India.        | *   |
| (xvi) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence; | 3 (includes 1 vacancy reserved for S.T. candidates) |

## Category III—ELECTRICAL ENGINEERING

## Group A Services/Posts

- |  |  |
|--|--|
| (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers;  | 10**   |
| (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);                         | @  |
| (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service; (Electrical Engineering Posts); | 8 (includes 1 vacancy reserved for S. C. and 1 reserved for S.T. candidates) |
| (iv) Indian Supply Service (Electrical Engineering Posts);                                 | 1 (Vacancy reserved for S.C. candidates).                                    |
| (v) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Posts); | 5 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates)                          |

- (vi) Indian Naval Armament Service (Electrical Engineering Posts);
- (vii) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts); 35 (includes 12 vacancies reserved for S.C. and 4 reserved for S. T. candidates)
- (viii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing); 5\*\*
- (ix) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadre) (Electrical Engineering Posts); 10 (includes 4 vacancies reserved for S.C. and 1 reserved for S.T. candidates)
- (x) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence. 5 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates)

## Group B Services/Posts

- (xi) Assistant Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing); 15\*\*
- (xii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio; 4 (includes vacancy reserved for S. C. and 1 reserved for S.T. candidates).
- (xiii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence; 1 (Vacancy reserved for S.C. candidates)

## Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

## Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers; 6\*\*
- (ii) Indian Railway Stores Service (Tele-communication/Electronics Engineering Posts); @
- (iii) Telegraph Engineering Service 80\*\*
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications; 2\*\*
- (v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service; 3
- (vi) Assistant Station Engineer in All India Radio; \*
- (vii) Technical Officer in Civil Aviation Department; 7 (includes 2 vacancies reserved for S.C. and 1 reserved for S.T. candidates)
- (viii) Communication Officer in Civil Aviation Department; 3 (includes 1 vacancy reserved for S.C. candidates)
- (ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts); 1
- (x) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts). 2 (includes 1 vacancy reserved for S.T. candidates)
- (xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts); 5 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 reserved for S. T. candidates)
- (xii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence 4 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 reserved for S. T. candidates)

## Group B Services/Posts

- (xiii) Telegraph Traffic Service;

- (xiv) Assistant Engineer in the All India Radio;

- (xv) Assistant Engineer in Overseas Communications Service; 20 (includes 5 vacancies reserved for S.C. and 3 reserved for S. T. candidates)

- (xvi) Technical Assistant (Group B, Non-Gazetted) in Overseas Communications Service. 28 (includes 7 vacancies reserved for S.C. and 5 reserved for S. T. candidates)

- (xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence. 1

@The total number of vacancies in Indian Railway Stores Service is 10\*\*

The vacancies shown against the various Railway Engineering Services (Civil, Mechanical, Electrical and Signal), Indian Railway Stores Service and Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics) are permanent.

The vacancies shown against all other Services and posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

NOTE :—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in para 2 of Appendix 1 to the Rules.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/posts for which he applies.

N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

They should note that they will be considered for appointment to those Services/posts only for which they express their preference and for no other Service/post.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of Services/posts, covered by the category or categories of services/posts viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Tele-communication Engineering (cf. preamble to the Rules), for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the 30th October, 1978.

N.B. 2.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) or 5(c) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission,

Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

**Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1978. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1978 WILL NOT BE ENTERTAINED.**

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 29th May 1978 (12th June, 1978 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 29th May, 1978) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 29th May, 1978.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application.

**APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.**

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Dash) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

**9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.**

R. S. GOELA,  
Deputy Secretary,  
Union Public Service Commission

## ANNEXURE

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

**BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.**

2. The application form, and the acknowledgment card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or to work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their application direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submits the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).

**NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1978. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE**



RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) and (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and in para 6 :—

(i) (a) **CROSSED** Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office”.

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) **CROSSED** Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Parliament Street. New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.— candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE

PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the form of certificate given under Note 1 below.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 30th October 1978.

*Certificate showing proof of passing qualifying Examination.*

\*1. Certified that Shri/Smt./Km.\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ who has been a student in this college has passed the \_\_\_\_\_ examination and has become eligible for the award of \_\_\_\_\_ degree and that he/she\* has been placed in \_\_\_\_\_ division.

\*2. Certified that Shri/Smt./Km.\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ is expected to appear/has appeared\* at \_\_\_\_\_ examination conducted by \_\_\_\_\_ in the month of \_\_\_\_\_ 19 and that the result of the above examination is likely to be announced by \_\_\_\_\_ 19

Signature \_\_\_\_\_  
Designation \_\_\_\_\_  
Name of Institution \_\_\_\_\_  
Where situated \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

\*Strick out whichever is not applicable.

NOTE 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

(iv) *Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(v) and 3(vi) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note 1. under paragraph 3(iii) above] within one month after the last

date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*-----  
son/daughter\* of ----- of village/  
town\*----- in District/Division\*-----  
of the State/Union Territory\*----- belongs to the  
-----Caste/Tribe\*----- which is recognised as  
a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribe Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribe Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\*-----and/or\* his/her\*  
family ordinarily reside(s) in village/town\*-----of -----  
District/Division\* of the State/Union Territory\* of -----

Signature-----

\*\*Designation-----  
(with seal of office)

Place-----State/Union Territory.\*

Date -----

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5 (d) (ii) or 5(d) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States.

(2) District Magistrate of the Areas in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer with the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(d) (iv) or 5(d)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(d) (vi) of 5(d) (vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(d)(viii) or 5(d)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No.-----Shri.-----  
-----of unit ----- was disabled  
while in the Defence Services, in operation during hostilities  
with a foreign country/in a disturbed area\* and was released  
as a result of such disability.

Signature-----

Designation-----

Date-----

\*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(d) (x) or 5(d) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. ....  
Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(d) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vii) A candidate claiming age concession under rule 5(c) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also, produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy Agriculture and Irrigation/Communications/Supply and Rehabilitation/Steel and Mines/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of the application within a month from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from

the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications Civil Lines Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emoria Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counters of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTERS.

#### STAFF SELECTION COMMISSION

##### NOTICE

#### UPPER DIVISION GRADE LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1978

New Delhi, the 15th April 1978

No. 13/3/78-F.A.—Staff Selection Commission, New Delhi, will hold on 22nd and 23rd September, 1978 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions abroad a Limited Departmental Competitive Examination for making additions to the Select Lists for the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service and Railway Board Secretariat Clerical Service.

#### 2. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :

Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions :—

(a) *Length of Service* : Must have, on the 1st January 1978, rendered not less than five years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service.

(b) *Age* : Not more than 50 years on 1st January 1978. Upper age limit relaxable for Schedule Castes/Schedules Tribes and certain other specified categories.

(c) *Typewriting Test* : Unless exempted, he should have passed the Monthly/Quarterly Typewriting Test held by the UPSC/STS/ISTM (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission on or before the notification of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.

3. *FEE* : Rs. 12/- (Rs. 3/- for S.Cs./S.Ts.)

4. Full particulars and application forms are obtainable from Controller of Examinations, Staff Selection Commission,

West Block 1, R.K. Puram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1.00 by means of CROSSED (A/C Payee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Staff Selection Commission at Sarojini Nagar Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's Office.

5. Completed application forms must reach the Commission by 23rd May 1978 (6th June 1978 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep).

VIVEK BHATTACHARYA

Controller of Examination